सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 337 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 20 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायपुर में पूर्व महापौर एजाज ढेबर परिवार को बिश्नोई गैंग के नाम से धमकी

रायपुर। रायपुर में ढेबर परिवार को बिश्नोई गैंग के नाम से धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। फोन करने वाले ने अनवर ढेबर और एजाज ढेबर का नाम लेकर धमकाया। फिर 50 करोड़ रुपए की मांग की है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि, ढेबर परिवार के एक कर्मचारी को फोन कर आरोपी ने खुद को बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताया। बातचीत के दौरान 50 करोड़ रुपए देने की मांग की गई। रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई। पुलिस की टीम धमकी देने के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर और कॉल से जुड़ी तकनीकी जानकारी जुटा रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि, फोन किस जगह से किया गया और इसके पीछे कौन लोग हैं?

सारंगढ़ में पागल कुत्ते ने 31 लोगों को काटा

सारंगढ़। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़ में एक पागल कुत्ते ने करीब 31 लोगों को काट दिया। शहर के 5 मोहल्लों में कुत्ते ने पिछले 2 दिन से उत्पात मचाया है। गढ़ चौक, कुटेला, देवरपारा, प्रतापगंज और बाजार चौक के रहवासियों को कुत्ते ने बुरी तरह काटकर घायल कर दिया है। घायलों में 22 पुरुष, 4 महिलाएं और 5 बच्चे शामिल हैं। पीड़ितों के हाथ-पैर और जांघ पर काफी गहरे घाव हुए हैं। इनमें 5 लोगों को गंभीर चोट आई हैं। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मरीजों को सीरम और वैक्सीन दे दी गई है। बताया जा रहा है कि गांव वालों ने गुस्से में कुत्ते को मार डाला है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। लोगों में अभी भी डर बना हुआ है। इस पूरी घटना में निगम की ओर से कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। पागल कुत्ते के लोगों को काटते हुए ष्टष्ठञ्जङ्क फुटेज भी सामने आया है।

भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम एशियन गेम्स के फाइनल में

नईदिल्ली। भारत ने एशियन गेम्स के विमेंस क्रिकेट सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर ऑलआउट हो गई। 22 सिंतबर को फाइनल में भारत का सामना श्रीलंका से होगा।भारत के लिए शेफाली वर्मा ने 49 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए। उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के लगाए। शेफाली ने हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी की। गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा और नंदनी शर्मा ने 3-3 विकेट लिए, जबकि श्री चरणी ने 2 विकेट झटके।

नशे में धुत होकर डायल 112 टकराने वाला आरक्षक बर्खास्त

बलरामपुर। जिले में पुलिस विभाग की छवि धूमिल करने और घोर लापरवाही बरतने वाले एक आरक्षक पर पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने कड़ा एक्शन लिया है। डायल 112 वाहन में ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में धुत होकर सरकारी वाहन को दुर्घटनाग्रस्त करने के आरोप में आरक्षक संजय मारकण्डे को तत्काल प्रभाव से पुलिस सेवा से पृथक (बर्खास्त) कर दिया गया है।

वीबी-जीरामजी से अब होंगे 375 प्रकार के कार्य, 4 हजार करोड़ का है बजट

जल संरक्षण से लेकर सड़क, स्कूल, पंचायत भवन, आजीविका, कृषि, पशुपालन और आपदा प्रबंधन के कार्य शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

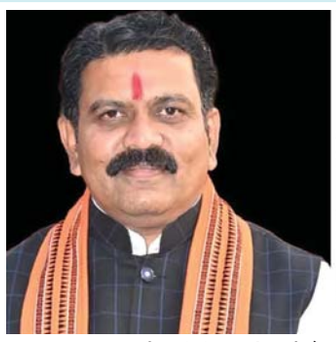

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विकास को रोजगार, आजीविका और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण से जोड़ने की दिशा में विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जीरामजी) का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मिशन के अंतर्गत अनुमेय कार्यों की संख्या अब 318 से बढ़ाकर 375 कर दी गई है। उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने अनुमेय कार्यों की संख्या में वृद्धि पर हर्ष जताते हुए कहा कि वीबी-जीरामजी के अंतर्गत अनुमेय कार्यों की संख्या 318 से बढ़कर 375 होने से विकास कार्यों को गति प्राप्त होगी और ग्रामीण विकास सुदृढ होगा। छत्तीसगढ़ शासन ने मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2026-27 के बजट में 4 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रावधान का लाभ केवल मजदूरी भुगतान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके माध्यम से गांवों में ऐसी परिसंपत्तियों का निर्माण होगा, जो आने वाले वर्षों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करेंगी।

डिप्टी सीएम शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए वीबी-जीरामजी के तहत 3,354.85 करोड़ रुपये का अंतरिम आवंटन प्रदान किया गया है। मिशन के अंतर्गत अकुशल श्रमिकों की मजदूरी दर 261 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिदिन की गई है। रोजगार के दिनों में वृद्धि, मजदूरी दर में सुधार और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण का यह समन्वय ग्रामीण परिवारों की आर्थिक सुरक्षा तथा गांवों के समग्र विकास को नई गति देगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि वीबी-जीरामजी केवल ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह गांवों की आर्थिक क्षमता बढ़ाने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, स्थानीय आजीविका को मजबूत करने और टिकाऊ ग्रामीण अधोसंरचना विकसित करने का व्यापक अवसर है। 375 अनुमेय कार्यों के माध्यम से रोजगार को परिसंपत्ति निर्माण और परिसंपत्तियों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ते हुए विकसित गांव की दिशा में ठोस आधार तैयार किया जा रहा है।

क्यूआर कोड से मिलेगी अनुमेय कार्यों की जानकारी

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि वीबी-जीरामजी के अंतर्गत 375 अनुमेय कार्यों को 4 मुख्य श्रेणियों और 30 उप-श्रेणियों में व्यवस्थित किया गया है। इनमें 68 प्रकार के व्यक्तिगत कार्य, 99 प्रकार के मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्य तथा समूह और सामुदायिक उपयोगिता से जुड़े कार्य शामिल हैं। अनुमेय कार्यों की जानकारी प्रत्येक ग्रामीण तक आसानी से पहुंचे, इसके लिए राज्य में क्यूआर कोड भी जारी किया गया है, जिसके माध्यम से ग्रामीण अनुमेय कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

वीबीजीरामजी के तहत इन कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य

- राज्य सरकार द्वारा 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 26 जनवरी 2027 तक ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय विद्यालयों में 6,671 बालिका शौचालयों का निर्माण किया जाएगा।
- राज्य सरकार द्वारा हर गांव में मुक्तिधाम निर्माण का संकल्प लिया गया है। 6,524 गांवों में प्रतीक्षालय सहित मुक्तिधाम के निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है।
- जल संरक्षण और जल सुरक्षा से जुड़े कार्यों में नहर, बाढ़ नियंत्रण चैनल, चेकडैम, गली प्लग, भूमि का पुनरुद्धार, वनीकरण एवं पौधरोपण, मृदा-नमी संरक्षण तथा रूफटॉप वर्षाजल संचयन जैसे कार्य होंगे।
- ग्रामीण सड़कें, पुलिया एवं क्रॉस-ड्रेनेज संरचनाएं, ग्राम संपर्क सुविधाएं, ग्राम पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र जैसे कार्य शामिल हैं।
- आजीविका संबंधी अधोसंरचना के अंतर्गत प्रशिक्षण-सह-कौशल विकास केंद्र, स्वयं सहायता समूहों के लिए वर्कशेड, ग्रामीण हाट एवं साप्ताहिक बाजार तथा भवन निर्माण सामग्री के उत्पादन से जुड़े कार्य शामिल हैं।
- स्व-सहायता समूहों के लिए वर्मी कम्पोस्ट, नाडेप, नर्सरी, कृषि उत्पाद भंडारण, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन से जुड़ी परिसंपत्तियां ग्रामीण परिवारों के लिए आय के विविध स्रोत विकसित करने में सहायक होंगी।

महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बनी स्मृति मंधाना

नईदिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मंधाना 4765 रन के साथ इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड की सुजी बेट्स को पीछे छोड़ दिया है। मंधाना ने यह उपलब्धि बांग्लादेश के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल के दौरान हासिल की। मंधाना इस मैच में 19 गेंदों पर 37 रन बनाए।

मंधाना के नाम अब महिला टी20 में 4788 रन हैं, सुजी बेट्स 4758 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। मंधाना ने एशियन गेम्स 2026 में बांग्लादेश से मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। महिला टी 20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाजों की सूची में भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर भी शामिल हैं। वह 4287 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। श्रीलंका की चमारी अटापट्टू 4282 रन के साथ चौथे व न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन 3817 रन के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

एशियन गेम्स भारत को पहले दिन दो पदक, 0.6 अंक से चूका गोल्ड

नईदिल्ली। आइची-नागोया एशियन गेम्स 2026 में भारत ने अपने पदक अभियान की शुरुआत कर दी है। भारत ने 20वें एशियन गेम्स के पहले दिन 2 सिल्वर मेडल जीत लिए हैं। रविवार को एलावेनिल वलारिवन विमेंस 10 मीटर एयर राइफ्ल इवेंट में 0.6 अंक से गोल्ड मेडल चूक गईं।

27 साल की वलारिवन 252.4 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। जबकि जापान की हिनाता ताइची ने 253.0 अंक लेकर गोल्ड मेडल जीता।

टीम इवेंट में भारतीय टीम 1898.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। महिला 10 मीटर एयर राइफ्ल टीम स्पर्धा में इलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदर्सा कोचलुमकल की तिकड़ी ने रजत पदक जीता। भारतीय टीम ने 16 टीमों की स्पर्धा में कुल 1897 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रही।

भिलाई में गुटखा फैक्ट्री पर सेंट्रल जीएसटी की रेडः 3 गाड़ियों में पहुंची 12 सदस्यों की टीम, 2 मशीनें और 30 बोरा गुटखा जब्त

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में सेंट्रल जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने रविवार को छापा मारा। कुम्हारी के स्टेशन चौक इलाके में एक फैक्ट्री के अंदर सितार कंपनी का गुटखा बनाया जा रहा था। इस दौरान गुटखा बनाने में इस्तेमाल होने वाली 2 मशीनें और करीब 30 बोरा गुटखा जब्त किया गया है। जीएसटी अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि, गुटखा निर्माण और उसकी बिक्री से जुड़े कारोबार में टैक्स संबंधी नियमों का पालन किया जा रहा था या नहीं। इसके अलावा गोदाम में रखे बाकी सामान और दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। हालांकि, अभी अधिकारियों से कोई भी ऑफिशियल जानकारी नहीं दी है।

मुंबई में भीषण सड़क हादसाः ब्रिज से गिरी तेज रफ्तार कार, तीन लोगों की मौत

मुंबई ए.। कोस्टल रोड पर रविवार तड़के हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। हादसा करीब सुबह 5:20 बजे लोटस जेट्टी के पास हुआ। बीएमसी के अनुसार, एक हाई-एंड लग्जरी कार मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी। इसी दौरान कथित तौर पर तेज रफ्तार के कारण चालक ने कार पर नियंत्रण खो दिया और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

हादसे के बाद कार में सवार सभी चार लोगों को नायर अस्पताल ले जाया गया। इनमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस के अनुसार, हादसा सुबह करीब 5:20 बजे लोटस जेट्टी के पास, लाला कॉलेज के सामने हुआ।

मिली जानकारी के मुताबिक, नायर अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा है कि मृतकों की पहचान शनाय गजल (21) और धीरिया सेठ (17) के रूप में हुई है, जबकि एक अज्ञात 25 वर्षीय युवक को भी मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, एक 20 वर्षीय अज्ञात युवक की हालत गंभीर बनी हुई है और उसे ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कराया गया है।

पत्नी ने पति के मोटापे का उड़ाया मजाक, तलाक के लिए हाईकोर्ट पहुंचा पति, कोर्ट ने खारिज की याचिका

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जांजगीर चांपा की एक महिला अपने पति को मोटा- काला कहकर संबोधित करती थी। इससे परेशान पति ने तलाक लेने का फैसला किया और परिवार न्यायालय पहुंच गया। परिवार न्यायालय ने तलाक की अर्जी खारिज की तो वह हाईकोर्ट पहुंच गया। हाईकोर्ट से भी पति को निराशा मिली। हाईकोर्ट ने परिवार न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा है।

पति द्वारा मांगे गए तलाक के मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पति की तलाक की मांग खारिज करते हुए कहा कि पत्नी द्वारा पति को 'मोटा' और 'सांवला' कहना अपने आप में क्रूरता या परित्याग साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। हाईकोर्ट ने परिवार न्यायालय, जांजगीर-चांपा के फैसले को बरकरार रखते हुए पति की अपील खारिज कर दी। डिवीजन बेंच ने 18 सितंबर को मामले की सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया।

दरअसल जांजगीर चांपा निवासी आकाश की पूजा नाम की युवती से 7 मार्च 2019 को हिंदू रीति-रिवाज से शादी हुई थी। पति के अनुसार, पत्नी शादी के बाद करीब तीन महीने तक उसके साथ रही। इसके बाद दोनों के बीच विवाद की स्थिति बनने लगी। पति ने आरोप लगाया था कि पत्नी उसके साथ गलत व्यवहार करती थी और आए दिन उसे मोटा और काला कहते हुए छोड़ने की धमकी देती थी। पति ने इन्हीं आधारों पर तलाक की मांग की थी।

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि पति की ओर से कई आरोप लगाए गए हैं, लेकिन उन्हें साबित करने के लिए पर्याप्त और ठोस साक्ष्य पेश नहीं किए गए। कोर्ट ने कहा कि पत्नी का पति को 'मोटा' और 'सांवला' कहना, उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर, तलाक के लिए आवश्यक क्रूरता का पर्याप्त आधार नहीं है। इन आधारों पर हाईकोर्ट ने पति की अपील खारिज करते हुए परिवार न्यायालय, जांजगीर-चांपा के फैसले को बरकरार रखा।

संपादकीय

जटिल प्राथमिकताएं

यूपीआई लेनदेन और एमडीआर शुल्क का पेंच

यूपीआई लेनदेन के लिए घोषित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) दिखाता है कि कैसे राजनीतिक पहलू आर्थिक फायदों को कमजोर कर सकते हैं। राजनीतिक हमले न होने पाएं, इस चक्कर में, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा घोषित दर ढांचा बहुत जटिल बना दिया गया है। 15 अक्टूबर से, नयी दरें व्यापारियों के यहां 2,000 रुपये या उससे ज्यादा के भुगतान पर ही लागू होंगी। वैसे तो, शुल्क कुल यूपीआई लेनदेनों के लगभग 2.5 फीसदी तक ही सीमित है, जो स्वागतयोग्य हदबंदी है। मगर, इसके भीतर, नियमों ने अलग-अलग श्रेणियां बना दी हैं। एक लाख रुपये महीना से कम कमाने वाले छोटे व्यापारियों के यहां किये गये यूपीआई भुगतान शुल्क से मुक्त हैं। कुछ अत्यावश्यक सेक्टरों में अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले व्यापारियों को किये गये भुगतान पर सपाट एमडीआर शुल्क लगेगा, न कि दूसरे सेक्टरों की तरह राशि का 0.4 फीसदी। 2,000 रुपये से ऊपर के पूंजी बाजार भुगतानों पर एक अलग एमडीआर लगेगा। साफ तौर पर इन्हें तीखी राजनीतिक प्रक्रिया को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।

“ एक लाख रुपये महीना से कम कमाने वाले छोटे व्यापारियों के यहां किये गये यूपीआई भुगतान शुल्क से मुक्त हैं। कुछ अत्यावश्यक सेक्टरों में अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले व्यापारियों को किये गये भुगतान पर सपाट एमडीआर शुल्क लगेगा, न कि दूसरे सेक्टरों की तरह राशि का 0.4 फीसदी। 2,000 रुपये से ऊपर के पूंजी बाजार भुगतानों पर एक अलग एमडीआर लगेगा।

जो भी हो, इन्होंने व्यापारियों के बीच कुछ अहम शक-शुबहे खड़े कर दिये हैं, और इनसे भारत में यूपीआई को अपनाया जाना धीमा हो सकता है। उदाहरण के लिए, इस बारे में नियम साफ नहीं हैं कि उस छोटे व्यापारी का क्या होगा जो एक लाख रुपये मासिक टर्नओवर की दहलीज पार कर जाता है आज की कीमतों पर यह काफी नीची सीमा है। उनकी आमदनी की निगरानी कौन कर रहा है? इससे या तो छोटे व्यापारियों पर अनुपालन का बोझ बढ़ेगा, या फिर वास्तविक समय में लेनदेन को जांचने के लिए एक नयी युक्ति की जरूरत पड़ेगी जिसे बैंकों को विकसित करना होगा। निकट भविष्य में, इसका नतीजा शायद यह होगा कि जब तक ज्यादा स्पष्टता नहीं आ जाती, छोटे व्यापारी यूपीआई स्वीकार करने से सीधे मना कर दें।

नशा कारोबार की बड़ी मछलियों पर कसें शिकंजा

अभय

बीते दिनों फुकेत-दिल्ली फ्लाइट के दौरान पायलट द्वारा कथित तौर पर गांजा सेवन का मामला सामने आया। जिसने देश में ऐसे नशीले पदार्थों की बढ़ती उपलब्धता और तस्करी को चर्चा में ला दिया। राज्यों में लगातार बड़ी खेप जब्त की गयीं। पहली नजर में यह चुनौती बेशक कानून-व्यवस्था की प्रतीत हो, लेकिन इससे सार्वजनिक सेहत, तस्करी नेटवर्क और वैश्विक कारोबारियों के हित भी जुड़े हैं। फुकेत-दिल्ली फ़्लाइट के पायलट द्वारा कैनबिस (गांजा) इस्तेमाल करने की शुरुआती जांच रिपोर्ट ने भारत में भांग (चरस) के इस्तेमाल और तस्करी पर फिर से ध्यान खींचा है। एक व्यावसायिक पायलट द्वारा ऐसा उपयोग दर्शाता है कि चरस की पहुंच सुरक्षा के लिहाज़ से महत्वपूर्ण पेशे तक भी हो चुकी है।

हाल ही में हुई ज़ब्ती की घटनाओं ने इस चुनौती को और उजागर किया है। खबरों के मुताबिक, तमिलनाडु की तांबरम सिटी पुलिस ने 135 किलोग्राम से ज़्यादा गांजा ज़ब्त किया, जिसे ओडिशा से भेजा गया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ओडिशा की सोनपुर और कंधमाल जिला पुलिस ने भी ट्रकों से लगभग 23,000 किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया है। असम और त्रिपुरा से भी भारी मात्रा में ज़ब्ती की खबरें आई। मुंबई और दिल्ली हवाई अड्डों पर भी भारी मात्रा में ज़ब्ती की गयी। मुंबई के बोरीवली में हाइड्रोपोनिक तरीके से कैनबिस उगाने का पता चला। हम देखते हैं कि भारत के विभिन्न हिस्सों में विविध प्रकार के चरस उत्पादों की भारी ज़ब्ती हो रही है, और तस्कर इन्हें लाने-ले जाने और वितरण के अलग-अलग ढंग अपना रहे हैं।

भारत हर साल टनों के हिसाब से गांजा ज़ब्त करता है और हज़ारों उपयोगकर्ताओं पर कार्रवाई की जाती है। तथापि, आंकड़े बताते हैं कि हम गलत लड़ाई लड़ रहे हैं- एक बड़ी चुनौती, जो वैश्विक व्यापारिक हितों से प्रेरित है, आने वाली है। अब इस पर ध्यान देने का सही समय है।

‘विश्व मादक द्रव्य रिपोर्ट-2026’ (जिसे सयुंक्त राष्ट्र के तत्वावधान में मादक द्रव्य एवं अपराध विभाग प्रकाशित करता है) कुछ हफ़्ते पहले ही प्रकाशित हुई। इस रिपोर्ट की मुख्य बातें हैं। सर्वप्रथम, आज भी दुनिया में सर्वाधिक इस्तेमाल होने वाला नशीला पदार्थ गांजा है। साल 2024 में 25.6 करोड़ लोग गांजे का उपयोग करते बताए गए हैं, जो किसी भी अन्य नशीले पदार्थ का इस्तेमाल करने वालों से ज़्यादा है; यह संख्या 15 से 64 साल की उम्र के लोगों की वैश्विक आबादी का 4.8 प्रतिशत बनती है। पिछले दशक में गांजे का सेवन करने वालों की संख्या 40 प्रतिशत से ज़्यादा बढ़ी। दूसरा, ‘गांजे की खेती दुनिया के लगभग हर देश में होती है’। ज़्यादातर तस्करी क्षेत्रीय स्तर पर होती है। लेकिन अंतर-क्षेत्रीय तस्करी बढ़ रही है। उत्तरी अमेरिका ऐसी तस्करी का बढ़ता हुआ स्रोत है। तीसरा, ज़्यादा असरकारी गांजा उत्पादों की बड़ी रेंज बाज़ार में आ रही है। चौथा, दिसंबर 2025 तक, उरुग्वे, कनाडा और अमेरिका के 28 इलाकों में गैर-मेडिकल कामों के लिए भांग की खेती, उत्पादन, बिक्री और उसे अपने पास रखने की इजाज़त दे दी गई है। चेक गणराज्य, जर्मनी, लक्ज़मबर्ग और माल्टा ने भी कुछ ऐसा ही किया। ‘हालांकि, हालिया वर्षों में, नशीले पदार्थों के गैर-मेडिकल इस्तेमाल को नुकसानदेह माना जाने लगा है, जो उत्तरी अमेरिका में लोगों की बदलती सोच में झलकता है’। अंततः भांग तस्करी और इस्तेमाल वैश्विक चुनौती बना हुआ है।

भारत के नशा नियंत्रण ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक : पहली बात, 2025 में 1.38 लाख एकड़ में भांग के पौधों को नष्ट किया गया, जो पिछले पांच सालों में सर्वाधिक है। दूसरी बात, गांजे से जुड़े 71,612 मामले दर्ज किए गए, जो पिछले 5 सालों में सबसे ज़्यादा हैं। 628 हजार किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया गया, जो 2024 से तो ज़्यादा था लेकिन 2021 और 2022 से कम था। तीसरी बात, 2021-25 के दौरान हशीश के मामलों की क्षेत्रवार संख्या 2,416 से 3,255 के बीच रही। हालांकि, पिछले पांच सालों में हशीश की ज़ब्ती में काफी उतार-चढ़ाव हुआ, इस उतार-चढ़ाव पर नशा नियंत्रण ब्यूरो टिप्पणी यकीन से नहीं कर रहा ‘शिनाख्त कम हुई या तस्करी के ढंग में संभावित बदलाव आया’। चौथी बात, हाइड्रोपोनिक गांजे (ज़्यादा असरदार, पोषक तत्वों से भरपूर) की तस्करी से बढ़ी है, खासकर महानगरों में। मामलों और ज़ब्त की गई मात्रा, दोनों बढ़ी हैं; 2025 में 862 किलोग्राम ज़ब्त किया गया और 687 केस दर्ज किए गए, जो बीते चार साल (2021- 24) की कुल ज़ब्ती और मामलों से भी ज़्यादा है। यानी भांग की ज़ब्ती और नष्ट करने की कार्रवाई पहले के मुकाबले अधिक बनी हुई है।

मई 2026 में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा प्रकाशित ‘क्राइम इन इंडिया-2024’ में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत सभी मामलों का डेटा मौजूद है। जिसके मुताबिक कुल मिलाकर करीब दो-तिहाई केस नशा बरामदगी या उपयोग करने के हैं और एक-तिहाई मामले तस्करी के हैं। नशा संबंधी घरेलू मामलों में आधे से ज़्यादा मामले गांजे के हैं; संस्थागत कार्रवाई की मुख्य नीति कम मात्रा में उपयोग करने वालों पर फोकस करने से प्रेरित लगती है। ‘विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी’ का अध्ययन, ‘क्रिमिनलाइज़ेशन लीड्स टू एक्सप्लॉइटेशन’ बताता है कि नशे के मामलों में गिरफ्तारी के आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने के लिए पुलिस गांजे का प्रयोग करने वाले लोगों को निशाना बनाती है। इसे बदलना होगा।

सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट ‘मैग्निट्यूड ऑफ सब्सटेंस यूज़ इंडिया’ में गांजे और अन्य नशों के उपयोग के बारे में डेटा है। जो ज़्यादातर 2018 का है। आबादी का लगभग 2.8 फीसदी हिस्सा, यानी लगभग 3.1 करोड़ लोगों पिछले 12 महीनों में गांजे का इस्तेमाल करने वाले बताए गए; यह किसी भी किस्म के नशीला पदार्थ सेवनकर्ताओं की सबसे बड़ी संख्या है। गांजा इस्तेमाल वाले वर्तमान 3.1 करोड़ लोगों में से 75 लाख लोग समस्याओं की वजह से उपयोग करते हैं जबकि 25 लाख इसके आदी हैं। सर्वाधिक गांजा उपभोक्ताओं वाले राज्य हैं—सिक्किम, नागालैंड, ओडिशा, अरुणाचल और एनसीटी दिल्ली। गांजे से जुड़ी समस्याओं में सहायता की दरकार वालों लोगों में सर्वाधिक यूपी (28 लाख) में हैं, इसके बाद पंजाब (5.7 लाख), ओडिशा (4.9 लाख) और महाराष्ट्र (4.6 लाख) का नंबर आता है। बड़े पैमाने पर गांजे का इस्तेमाल सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए चुनौती है।

कुल मिलाकर, नशा नियंत्रण कानून प्रवर्तन एजेंसियों को किसी के पास से नशीला पदार्थ बरामदगी या उपयोग करने के मामलों पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय तस्करी पर शिकंजा कसना चाहिए। कानून प्रवर्तन एजेंसियां नशा बरामदगी के बजाय आपूर्ति तंत्र ध्वस्त करने पर ध्यान दें। साथ ही, हमें उन राज्यों में इलाज एवं नशा-उन्मूलन सुविधाओं को बेहतर बनाने की ज़रूरत है जहां ये सुविधाएं कम हैं।

आजकल उपलब्ध मादक उत्पादों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। भारतीय बाज़ार में भी इन उत्पादों की तस्करी ज्यादा करने की कोशिशें होने की उम्मीद है। इनमें वेप उत्पाद (धुआं रहित सुट्टे वाला नशा), चरस युक्त वाले पेय (जैसे कि सोडा, स्पार्कलिंग वॉटर, चाय, कॉफी, ड्रिंक पाउडर और अल्कोहल रहित कॉकटेल जैसे ड्रिंक्स) और खाने-पीने के रूप में (गमी, चॉकलेट, कुकीज़, मिंट, कैंडी और बेक किए गए उत्पाद) शामिल हो सकते हैं। हम ज़्यादा टीएचसी वाले असरदार और ज़्यादा नशीले प्रभाव वाले उत्पादों की भी उम्मीद कर सकते हैं (टीएचसी भांग में सुरूर पैदा करने वाला मुख्य तत्व है), जिसका दुनिया भर में चलन बन गया है। नशा उपयोग को वैध बनाने के समर्थक उत्तरी अमेरिका में टैक्स से होने वाली कमाई और ब्लैक मार्केट में हिंसा में कमी का हवाला देते हैं, लेकिन वहां तेजी से और बड़े पैमाने पर कॉर्पोरेट कंपनियों की आमद देखकर लगता है कि असली वजह लोगों की सेहत नहीं, बल्कि व्यापारिक फायदा है। नशा उपयोग को वैध बनाए जाने के बाद से उत्तरी अमेरिका के गांजा बाज़ार में बड़े स्तर पर कॉर्पोरेट कंपनियां उतरी हैं और उनके मुंह मुनाफे का खून लग गया है। ‘फॉर्च्यून बिज़नेस इनसाइट्स’ नामक एक रिपोर्ट के अनुसार : 2025 में उत्तरी अमेरिका के गांजा बाज़ार की कीमत 86.10 बिलियन डॉलर हो सकती है। इसलिए, उत्तरी अमेरिका और यूरोप के कुछ हिस्सों की तर्ज पर कॉर्पोरेट कंपनियां भारत में भी गांजा उपयोग को वैध बनाने, खासकर इसकी व्यावसायिक खेती और उत्पादन करने के वास्ते कार्यरत रहेंगी।

लेखक मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो केपूर्व महानिदेशक हैं।

देश में चिप डिजाइन को सबके लिए सुलभ बनाना

विवियन डेसाल्फिन

एक नई चिप की शुरुआत किसी छात्र, रिसर्चर या एंटरप्रेन्योर के दिमाग में एक विचार के तौर पर हो सकती है। लेकिन उस विचार को कॉन्सेप्ट से सिलिकॉन तक ले जाने के लिए महंगे सॉफ़्टवेयर, पावरफुल कंप्यूटर, ट्रेंड एक्सपर्ट्स और सेमीकंडक्टर फाउंड्री तक पहुँच की ज़रूरत होती है। ज़्यादातर कॉलेज और स्टार्ट-अप्स अकेले ये सब नहीं कर सकते।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा C-DAC बेंगलुरु में स्थापित ChipIN सेंटर, शेयर्ड नेशनल इंफ़्रास्ट्रक्चर और चिप-डिज़ाइन सपोर्ट के ज़रिए इन बाधाओं को दूर करने में मदद कर रहा है। एक ही जगह से महंगे रिसोर्स तक सुरक्षित ऑनलाइन एक्सेस देकर, यह हर कॉलेज के लिए महंगे टूल खरीदने और अलग इंफ़्रास्ट्रक्चर बनाने की ज़रूरत को खत्म करता है।

500 संगठनों (जिनमें 400 एकेडमिक संस्थान और 100 स्टार्ट-अप्स शामिल हैं) के 1 लाख से ज़्यादा इंजीनियर ChipIN सेंटर के इस शेयर्ड प्लेटफॉर्म से जुड़े हैं, जिससे सेंट्रलाइज़्ड चिप-डिज़ाइन सुविधा के लिए सबसे बड़ा यूज़र बेस बना है।

असल में, ChipIN एक प्रोफेशनल चिप-डिज़ाइन लैब को छात्र के दरवाज़े तक पहुँचाता है। टेक्नोलॉजी हब से दूर रहने वाला छात्र भी वही एडवांस्ड सॉफ़्टवेयर इस्तेमाल कर सकता है जो बड़े संस्थानों में उपलब्ध है। यह चिप डिज़ाइन को सबके लिए सुलभ बनाता है, जिससे भूगोल या आर्थिक ताकत के बजाय टैलेंट और आइडिया यह तय करते हैं कि कौन हिस्सा ले सकता है।

ChipIN एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक डिज़ाइन ऑटोमेशन टूल तक पहुँच देता है, जिनका इस्तेमाल चिप डिज़ाइन करने, उसके सर्किट को टेस्ट करने और यह जाँचने के लिए किया जाता है कि क्या उसे बनाया जा सकता है। यह पावरफुल कंप्यूटिंग, दोबारा इस्तेमाल होने वाले डिज़ाइन ब्लॉक और स्टैंडर्ड डिज़ाइन तरीके भी देता है। PARAM tkarsh सुपरकंप्यूटर जटिल सिमुलेशन में मदद करता है, जबकि नेशनल प्री-सिलिकॉन वैलिडेशन प्लेटफॉर्म मैन्युफैक्चरिंग से पहले डिज़ाइन को टेस्ट करने में मदद करता है।

सिर्फ़ टूल से हर समस्या हल नहीं हो सकती। एक छोटी सी गलती से चिप फेल हो सकती है। इसलिए ChipIN ट्रेनिंग, टेक्निकल सपोर्ट और ब्रिकेशन-अनुपालन जाँच की सुविधा देता है। इसके एक्सपर्ट्स जाँचते हैं कि क्या डिज़ाइन फाउंड्री के नियमों का पालन करता है, क्या उसके हिस्से सही ढंग से जुड़े हैं और क्या वह मैन्युफैक्चरिंग के लिए तैयार है।

डिज़ाइनर्स को फीडबैक मिलता है और वे अपने काम में तब तक सुधार करते हैं जब तक वह ज़रूरी स्टैंडर्ड्स को पूरा न कर ले। सबके लिए सुलभ बनाने का सबसे साफ उदाहरण मल्टी-प्रोजेक्ट वेफ़र सर्विस है, एक ऐसा तरीका जिसका इस्तेमाल यूरोप में Europractice और अमेरिका में MOSIS भी करते हैं। पूरा सेमीकंडक्टर वेफर बनाना महंगा होता है, इसलिए ChipIN कई संस्थानों के डिज़ाइनों की जांच करता है और उन्हें एक ही वेफर पर एक साथ रखता है। हर संस्थान एक छोटे हिस्से का इस्तेमाल करता है और लागत को आपस में बांटता है। वेफर मोहाली में सेमी-कंडक्टर लेबोरेटरी (स्टरु) में बनाया जाता है, और तैयार चिप्स टेस्टिंग के लिए उनके डिज़ाइनरों को वापस भेज दिए जाते हैं।

ऐसे आठ शेयर्ड-वेफर रन के ज़रिए संस्थानों से 205 डिज़ाइन स्टरु मोहाली भेजे गए हैं। ChipIN ने विदेशी फाउंड्री में 100 से ज़्यादा टेप-आउट भी संभव बनाए हैं। टेप-आउट वह स्टेज है जब एक पूरा हो चुका डिज़ाइन मैन्युफैक्चरिंग के लिए भेजा जाता है। यह प्रोग्राम लगभग एक लाख छात्रों और इंजीनियरों तक पहुंचा है और डिज़ाइन-टूल के इस्तेमाल के चार करोड़ से ज़्यादा घंटे दर्ज किए हैं, जो दिखाता है कि चिप डिज़ाइन क्लासरूम की पढ़ाई से आगे बढ़कर असल सिलिकॉन अनुभव की ओर बढ़ रहा है।

इसका फायदा सिर्फ़ आंकड़ों तक सीमित नहीं है। एक छात्र किसी आइडिया से लेकर काम करने वाली चिप बनने तक के सफ़र का अनुभव कर सकता है। एक प्रोफेसर महंगी लेबोरेटरी बनाए बिना प्रैक्टिकल डिज़ाइन सिखा सकता है। एक स्टार्ट-अप प्रोडक्ट डेवलपमेंट के लिए पैसे बचाते हुए किसी आइडिया को टेस्ट कर सकता है। इंडस्ट्री को ऐसे इंजीनियर मिलते हैं जो असल डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग की ज़रूरतों को समझते हैं।

भारत की सेमीकंडक्टर महत्वाकांक्षाओं के लिए फैब्रिकेशन क्षमता और उन चिप्स को डिज़ाइन करने में सक्षम लोगों, जिन्हें वे फैब बनाएंगे, दोनों की ज़रूरत है। टूल्स, कंप्यूटिंग, ट्रेनिंग, एक्सपर्ट सपोर्ट, कंप्लायंस चेक और फैब्रिकेशन एक्सेस को एक साथ लाकर, ChipIN कम संसाधनों को एक साझा राष्ट्रीय क्षमता में बदल रहा है। चिप-डिज़ाइन इंफ्रास्ट्रक्चर को हर दरवाज़े तक पहुंचाकर, ChipIN यह पक्का कर रहा है कि भारत की अगली बड़ी चिप देश में कहीं भी किसी भी क्लासरूम, लेबोरेटरी या स्टार्ट-अप से निकल सकती है।

(लेखक वैज्ञानिक-F, C-DAC बैंगलोर हैं)

उन पिताओं को सलाम, जिन्हें कभी रविवार की भी छुट्टी नहीं मिली!

एन. रघुरामन

‘क्या तुमने कभी मेरे पिता को स्कूल में होने वाली पैरेंट्स-टीचर्स मीटिंग (पीटीएम) में आते देखा है? वे हमेशा दफ्तर में व्यस्त रहते थे और मेरे जीवन के उन महत्वपूर्ण पड़ावों में शामिल होने की उन्हें कभी फिक्र नहीं हुई। हमेशा मां ही आती थीं’। फिल्म ‘लक्ष्य’ में एक दृश्य है, जिसमें ऋतिक रोशन अपने बचपन के दोस्त से पिता की शिकायत कर रहे होते हैं। पिता उनके द्वारा चुने गए कॅरिअर को लेकर सख्त असहमति रखते हैं।

लेकिन आज की कहानी उस हीरो की नहीं, बल्कि उन पिता की है, जिन्हें यह तक नहीं पता कि इतनी मेहनत करके अपने बच्चों का जीवन सुरक्षित करने के लिए भी उनकी आलोचना की जा रही है। यह उन पिताओं की कहानी है, जिन्होंने शायद ही कभी अपने बच्चों से ‘आई लव यू’ कहा हो, क्योंकि वे अपने प्यार को हकीकत में साबित करने में व्यस्त थे।

यह उन पिताओं की कहानी है, जो अपने बच्चों को कभी वीकेंड में बाहर घुमाने नहीं ले जा सके- पीटीएम में जाना तो दूर की बात है। क्योंकि उनके लिए काम से एक दिन की गैरहाजिरी का मतलब था पूरे परिवार के लिए एक दिन की आमदनी का नुकसान। उनके लिए रविवार जैसी कोई चीज नहीं थी। अगर आप सोच रहे हैं कि क्या आज भी इस दुनिया में ऐसे पिता मौजूद हैं, तो आइए, मैं आपका परिचय 73 वर्षीय बुरसी प्रधान और उनकी 62 वर्षीय पत्नी अनुसया से कराता हूं। वे ओडिशा के एक दूरदराज गांव में एक जर्जर मकान में रहते हैं। बुरसी ने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा दिहाड़ी मजदूर के रूप में बिताया। काम की तलाश में वे केरल तक गए, क्योंकि उनके लिए एक दिन काम न करने का मतलब था परिवार का एक दिन भूखा रहना।

जब खराब स्वास्थ्य ने उन्हें वापस गांव लौटने पर मजबूर कर दिया और पूरे परिवार की गुजर-बसर खेती से होने वाली आमदनी पर निर्भर हो गई, तब जाकर बुरसी को अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत का फल मिलना शुरू हुआ। बुरसी के बड़े बेटे बिभीषण ने 2021 में कोरापुट के श्री लक्ष्मण नायक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में दाखिला लिया।

पिछले साल बेटी मोनालिसा भी उसी कॉलेज में पहुंच गई। इस साल बेटे असरिया और बेटी सुनेमी ने भी क्रमशः भवानीपटना और बलांगीर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीट हासिल कर ली। उनके भाई के घर में भीकुछ ऐसा ही हुआ।

बुरसी के छोटे भाई की बेटी मिनखी ने भी इस साल नीट पास किया और पुरी के श्री जगन्नाथ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में दाखिला लिया। सात बच्चों के पिता बुरसी के लिए इनमें से कुछ भी आसानी से नहीं हुआ था। बुरसी जैसे पिताओं का सबसे बड़ा सपना बहुत सीधा-सरल होता है- वे चाहते हैं कि उनके बच्चे वैसी जिंदगी न जिएं, जो उन्होंने जी है। मेरे बच्चो, हो सकता है कि कुछ पिताओं के पास तुम्हारे लिए अपना प्यार जताने का समय न रहा हो। जब तुम फैशनेबल कपड़े चाहते थे, तब शायद वे यह सोच रहे होते थे कि उन्हें खरीदने के लिए कुछ और रुपये कैसे कमाए जाएं।

जब तुम बेहतर खाना चाहते थे, तब शायद वे सोच रहे होते थे कि एक दिन और कैसे काम किया जाए। जब तुम चैन की नींद सो रहे थे, तब शायद वे अगले दिन के खर्चों का हिसाब लगा रहे थे। वे तुम्हें अपना समय इसलिए नहीं दे पाए, क्योंकि वे तुम्हें एक बेहतर जिंदगी देने की कोशिश में व्यस्त थे। इसीलिए जब वे तुम्हारे लिए नए कपड़े लेकर आएं, तो उनसे यह भी पूछो कि उन्होंने अपने लिए क्या खरीदा।

गणना का तिलिस्म और लापता मतदाता

अगर गणना की ही बात है तो जी, इधर सबसे बड़ी गणना शुरू हो गयी, यानी जनगणना। इसमें जाति जनगणना भी होगी। यानी उस बात को किसी ने तवज्जो नहीं दी कि जिसकी जाति का पता नहीं, वह भी गणना की मांग करता है। बहरहाल, जनगणना से पता चलेगा कि हमारी आबादी कितनी बढ़ गयी है। लेकिन इधर कुछ दूसरी गणनाएं भी सामने आयी हैं, जिनकी स्थिति कुछ-कुछ वैसी ही है जैसे किसी को महत्वहीन करार देने के लिए कह दिया जाता है कि मैं उसे कुछ नहीं गिनता या फिर यह कि वह किस गिनती में आता है। खैर, इनमें एक गणना यह सामने आयी है कि कोई नौ-दस करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न नौकरी कर रहे हैं, न पढ़ाई कर रहे हैं, न कोई हुनर सीख रहे हैं, जिसे आजकल कौशल विकास कहा जाता है और उसे सिखाने के लिए बड़ी-बड़ी परियोजनाएं चल रही हैं। हालांकि वहां भी घोटाले हो रहे हैं, पर इतनी बड़ी-बड़ी परियोजनाओं में घोटाले तो होते ही रहते हैं। ठीक उसी तरह जैसे बड़े-बड़े देशों में ऐसी छोटी-छोटी बात होती रहती है सिनेरिटा! खैर, इसका अर्थ यह है कि ये युवा किसी गिनती में नहीं हैं। जब ये न नौकरी कर रहे हैं, न शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, न कोई हुनर सीख रहे हैं, तो जाहिर है, घरवालों के लिए भी ये किसी गिनती में नहीं होंगे। लेकिन उम्मीद करनी चाहिए कि वे रील तो जरूर बना रहे होंगे।

खैर, इसी तरह की एक दूसरी यह गणना है कि नौ राज्यों तथा तीन केंद्रशासित प्रदेशों में हुई एसआईआर की प्रक्रिया से पता चला है कि कोई चार-पांच करोड़ मतदाता ऐसे हैं, जो अपने पते-ठिकाने पर मिल ही नहीं रहे। पता नहीं, कहां चले गए। पलायन कर गए, तो पलायन करके गए कहाँ। मरने वालों का तो फिर भी रिकॉर्ड होता है। घरवाले ही बता देते हैं कि जी, भगवान को प्यारे हो गए। लेकिन इन मतदाताओं का तो पता ही नहीं चल रहा है कि वे कहां गए। जहां गए, वहां की संख्या कितनी बढ़ी। लेकिन मतदाताओं की गणना कोई जनगणना नहीं है कि जनगणना से आबादी बढ़ी हुई ही सामने आएगी। मतदाताओं की गणना तो इधर घटकर ही सामने आ रही है। होगा वह कोई और दौर, जब मतदाताओं की संख्या भी बढ़ती रही होगी। लेकिन अब तो उसे घटना ही है। वैसे तो जी, सरकार कह रही है कि गरीबों की संख्या भी घट ही रही है। मुफ्त राशन तो उतने ही लोग ले रहे हैं। हालांकि बढ़ भी नहीं रहे होंगे। सरकार की कोशिश होती है कि गणनाओं में बढ़ोतरी हो, जैसे इतने नए आईआईटी, आईआईएम और एम्स खुल गए। इतने हाईवे और एक्सप्रेस वे बन गए। इतने हवाई अड्डे बन गए, वगैरह-वगैरह। लेकिन मतदाता घट रहे हैं, गायब हो रहे हैं, पता नहीं क्यों?

इतिहास-कूटनीति के बीच उलझा काली नदी का स्रोत

जयसिंह रावत

प्रश्न यह है कि 1816 में ‘काली’ किसे कहा जाता था, 1817 में संधि की व्याख्या कैसे हुई, बाद के नक्शे क्यों बदले।

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने भारत-नेपाल सीमा के उस विवाद को फिर उठाया है, जिसकी जड़ें 1816 की सुगौली संधि और उसके बाद हुए ब्रिटिश सर्वेक्षणों तक जाती हैं। खनाल ने 15 सितंबर को नेपाल की प्रतिनिधि सभा में कहा कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाल के राजनीतिक मानचित्र में शामिल करना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है।

इस विवाद की कुंजी दो सौ साल पुराने एक सवाल में छिपी है—सुगौली संधि में जिस ‘काली नदी’ को सीमा माना गया, उसका वास्तविक उद्गम कहां है? नेपाल लिम्पियाधुरा की ओर से आने वाली लंबी और अधिक जलसमृद्ध कुटी-यांगती को काली या महाकाली की मूल धारा मानता है, जबकि भारत की ऐतिहासिक-प्रशासनिक स्थिति कालापानी क्षेत्र को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा मानती रही है। इसलिए यह जमीन से पहले नदी की पहचान का विवाद है।

1814-16 के आंग्ल-नेपाल युद्ध के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल के बीच हुई सुगौली संधि के अनुच्छेद पांच ने काली नदी को नेपाल की पश्चिमी सीमा का आधार बनाया। लेकिन संधि ने ऊपरी हिमालय में नदी के वास्तविक उद्गम को स्पष्ट निर्देशांकों से परिभाषित नहीं किया। कैप्टन विलियम जे. वेब ने 1815 से 1821 के बीच कुमाऊं का सर्वेक्षण किया। मई, 1816 तक काली के ऊपरी स्रोतों तक पहुंच चुका था। कालापानी के झरने उसके शुरुआती सर्वेक्षण में महत्वपूर्ण भौगोलिक चिह्न के रूप में दर्ज हुए।

वर्ष 1817 में ही यह विवाद ब्रिटिश भारतीय प्रशासन और नेपाल दरबार के सामने आ गया था। नेपाल के दावे की जांच के बाद काली के पूर्व में स्थित तिंकर और छांगरू क्षेत्र नेपाल को सौंप दिए गए। इसके बाद नेपाल ने पश्चिम की ओर दावा बढ़ाते हुए कहा कि कुटी घाटी से आने वाली कुटी-यांगती को काली की मुख्य धारा माना जाना चाहिए। बाद में ‘हिमालयन गजेटियर’ में दर्ज विवरण के अनुसार वेब और अन्य अधिकारियों का मत था कि कालापानी के पवित्र स्रोत से निकलने वाली अपेक्षाकृत छोटी धारा को परंपरागत रूप से काली की मुख्य शाखा माना जाता था और उसी ने नदी को उसका नाम दिया।

सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज 5 सितंबर, 1817 का तत्कालीन सरकारी निर्णय है। कुमाऊं के कमिश्नर जी.डब्ल्यू. ट्रेल को भेजे गए आदेश में गवर्नर-जनरल लॉर्ड मोइरा की सरकार ने नेपाल के कुटी और नाबी संबंधी दावे को स्वीकार नहीं किया। कालापानी नाम की धारा को काली की प्रमुख शाखा और दोनों राज्यों के बीच सीमा मानने की व्याख्या की गई। इस प्रकार सुगौली संधि के तत्काल बाद ही विवाद की जांच हुई और कुटी-नाबी पर नेपाल का विस्तारित दावा अस्वीकार कर दिया गया।

नेपाल उन्नीसवीं सदी के कुछ ब्रिटिश मानचित्रों को अपने पक्ष का प्रमाण मानता है। कुछ शुरुआती नक्शों में लिम्पियाधुरा से आने वाली पश्चिमी धारा को ‘काली’ दिखाया गया है। बाद के नक्शों में इसी धारा का नाम कुटी और फिर कुटी-यांगती दिखाई देने लगता है। यही विवाद का महत्वपूर्ण विरोधाभास है। 1817 का प्रशासनिक पत्राचार भारत के ऐतिहासिक पक्ष के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करता है, जबकि कुछ ब्रिटिश मानचित्र नेपाल को अपने दावे के लिए आधार देते हैं।

नेपाल का दूसरा प्रमुख तर्क जलविज्ञान पर आधारित है। लिम्पियाधुरा की ओर से आने वाली कुटी-यांगती लंबी है, उसका जलग्रहण क्षेत्र बड़ा है और उसका प्रवाह भी कालापानी की धारा से अधिक बताया जाता है। नदी-विज्ञान में मुख्य धारा पहचानने के लिए लंबाई, प्रवाह और जलग्रहण क्षेत्र महत्वपूर्ण मानदंड होते हैं। नेपाली शोधकर्ता इसी आधार पर इसे वास्तविक ऊपरी काली या महाकाली मानते हैं। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय सीमा केवल आधुनिक जलवैज्ञानिक सिद्धांत से निर्धारित नहीं होती। संधि में प्रयुक्त नदी का अर्थ तय करने में यह भी महत्वपूर्ण है कि संधि के समय दोनों पक्ष किस धारा को उस नाम से पहचानते थे, तत्कालीन प्रशासन ने संधि की कैसी व्याख्या की और बाद में किसका निरंतर प्रशासन रहा।

यदि कालापानी से निकलने वाली धारा को सुगौली संधि वाली काली माना जाए तो सीमा की एक रेखा बनती है; यदि लिम्पियाधुरा से निकलने वाली कुटी-यांगती को वही काली माना जाए तो सीमा काफी पश्चिम खिसक जाती है। लिपुलेख का महत्व इसे और संवेदनशील बनाता है। यह क्षेत्र भारत, नेपाल और तिब्बत-चीन के संगम के निकट है। लिपुलेख सदियों से हिमालय पार व्यापार का मार्ग रहा है और आज कैलास-मानसरोवर यात्रा का महत्वपूर्ण रास्ता है। इस विवाद ने 2020 में नया रूप तब लिया, जब नेपाल ने राजनीतिक मानचित्र जारी कर लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख को उसमें शामिल किया तथा संविधान संशोधन के जरिए उसे संवैधानिक मान्यता दी। भारत ने इस एकतरफा मानचित्रण को अस्वीकार किया।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

गौरी समूह ने पानी पाउच निर्माण से गढ़ी आत्मनिर्भरता की नई गाथा

दुर्ग। प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के निस्वार्थ सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के संकल्पों को समर्पित 'सेवा संकल्प' अभियान आज ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन का नया माध्यम बन रहा है। शासन की कल्याणकारी योजनाओं और वित्तीय सहयोग के बल पर दुर्ग विकासखंड की ग्रामीण महिलाएं संगठित होकर न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी बन रही हैं। इसी कड़ी में 'गौरी महिला स्व-सहायता समूह' ने सामूहिक प्रयास और आजीविका गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की एक मिसाल कायम की है। दुर्ग विकासखंड के अंतर्गत रिसामा के 12 ग्रामीण महिलाओं को जोड़कर 'गौरी महिला स्व-सहायता समूह' का गठन किया गया था। नियमित बचत और छोटे स्तर पर आर्थिक गतिविधियों की शुरुआत करने के बाद समूह ने अपने कदम आगे बढ़ाए। आजीविका को विस्तार देने के उद्देश्य से समूह ने क्लस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) से लगभग 60,000 की वित्तीय सहायता प्राप्त की और पानी पाउच निर्माण मशीन की खरीदी की। समूह की महिलाओं ने स्वयं उत्पादन, पैकिंग और प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालते हुए व्यवसाय का सफल संचालन शुरू किया। शुरुआती दौर में समूह की मासिक आय लगभग 10,000 थी।

गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं- महापौर

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 18 जवाहर नगर में सड़क एवं गार्डन के समीप किए गए पेवर कार्य की गुणवत्ता का जायजा लेने महापौर ने औचक निरीक्षण किया। मौके पर पेवर ब्लॉक निकलवाकर उसके नीचे की सतह एवं निर्माण की गुणवत्ता की बारीकी से जांच की।इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित क्षेत्र के सहायक अभियंता सुरेश केवलानी एवं उप अभियंता पंकज साहू के साथ कार्य की गुणवत्ता एवं निर्माण संबंधी मानकों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने मौके पर किए गए पेवर कार्य की गुणवत्ता की जांच की। जांच में कार्य निर्धारित गुणवत्ता एवं मानकों के अनुरूप पाया गया। उक्त कार्य 15वें वित्त आयोग के मिलेनियम प्लस सिटी मद से स्वीकृत किया गया है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में कराए जा रहे प्रत्येक विकास कार्य की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जनता के लिए स्वीकृत विकास कार्य निर्धारित मापदंडों एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए तथा कार्यों की नियमित रूप से स्थल पर जाकर जांच की जाए, ताकि नागरिकों को लंबे समय तक बेहतर सुविधाएं मिल सकें। महापौर ने कहा कि शहर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

गणेश पंडालों में पहुंचे विधायक ललित चंद्राकर, की प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने गणेशोत्सव के अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गणेश पंडालों में पहुंचकर भगवान श्री गणेश के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की मंगलकामना की।

विधायक चंद्राकर ने कहा कि गणेशोत्सव केवल आस्था का पर्व नहीं है, बल्कि यह युवा पीढ़ी को धर्म, संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का सुंदर माध्यम भी है। यह पर्व हमारी सनातन परंपराओं एवं आध्यात्मिक मूल्यों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ ही समाज को भक्ति, उत्साह और एकजुटता के सूत्र में बांधता है। कार्यक्रमों की श्रृंखला में विधायक चंद्राकर सर्वप्रथम रुआबांधा सेक्टर स्थित गणेश मैदान गार्डन पहुंचे, जहां गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान गणेश के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने न्यू खुर्सीपार भिलाई में नव युवा मित्र मंडल द्वारा स्थापित गणेश पंडाल, पावर हाउस भिलाई नेताजी सुभाष मार्केट स्थित गणेश पंडाल, सेक्टर-2 भिलाई के गणेश पंडाल तथा मिनी स्टेडियम पद्मनाभपुर दुर्ग में स्थापित भव्य गणेश पंडाल में पहुंचकर पूजा-अर्चना की।

पद्मनाभपुर में विधायक ने रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना की तथा रामेश्वरम के 22 पवित्र तीर्थ कुंडों की थीम पर तैयार किए गए भव्य पंडाल का दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने आयोजन समितियों के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं से मुलाकात कर गणेशोत्सव की शुभकामनाएं दीं। रुआबांधा में निलेश अग्रवाल, सुनील साहू, विपुल वर्मा, विश्वरूप वर्मा, प्रकाश पटेल, विश्वमूर्ति तिवारी, प्रकाश ध्रुव, रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, मरोदा-पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, रुखमणी साहू, सचिन गोस्वामी, पार्षद शिला नारखडे, तेजेश्वी सोनवानी, अरविन्द नारखडे, सुधीप साहू, पदमा वर्मा, अभिलाषा मिश्रा, मनीषा चंद्राकर, अर्चना भारतद्वाज, संदीप एवं सुजाता होता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। न्यू खुर्सीपार में नव युवा मित्र मंडल समिति के अध्यक्ष पवन अग्रवाल, संरक्षक सीरीश अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, नवीन शर्मा, गिरीश माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

ताड़ोकी-रावघाट रेलखंड पर यात्री परिचालन की दिशा में मिली महत्वपूर्ण उपलब्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र एवं भारतीय रेल के संयुक्त प्रयासों से विकसित की जा रही दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत ताड़ोकी-रावघाट एकल रेलखंड पर यात्री परिचालन शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। दक्षिण-पूर्व परिमंडल, कोलकाता के रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) द्वारा 22 सितम्बर 2026 को ताड़ोकी-रावघाट रेलखंड के निरीक्षण एवं स्वीकृति के उपरांत ताड़ोकी-रावघाट एकल रेलखंड पर यात्री परिचालन के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

यात्री परिवहन शुरू करने से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाएं अब पूर्णता की ओर हैं। इससे पूर्व, 17 जून 2026 को रावघाट रेलखंड पर तकनीकी परीक्षण शुरू किया गया था। नियंत्रित गति एवं सीमित भार की परिस्थितियों में 58 वैगन वाली बॉक्सएन रेक के माध्यम से किए गए इस परीक्षण के साथ परियोजना के इस महत्वपूर्ण रेलखंड पर परिचालन की दिशा में आवश्यक तकनीकी तैयारियों को आगे बढ़ाया गया। लगभग 95 किलोमीटर लंबी दल्लीराजहरा-रावघाट रेल परियोजना सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र एवं भारतीय रेल के संयुक्त प्रयासों से विकसित की जा रही है। इस परियोजना के अंतर्गत रेल लाइन के निर्माण के साथ रेलवे स्टेशनों एवं विद्युतीकरण से संबंधित कार्यों के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा वित्तीय सहयोग प्रदान किया गया है। रेल लाइन के निर्माण में सेल द्वारा अब तक लगभग 1,735 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है। पूरी परियोजना के निर्माण पर 1,880 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत आएगी।

दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से होकर गुजरने के कारण परियोजना के निर्माण एवं क्रियान्वयन का कार्य चुनौतीपूर्ण रहा। इन परिस्थितियों के बावजूद परियोजना से जुड़े सभी हितधारकों के सतत एवं समन्वित प्रयासों से परियोजना के कार्य में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई।

वर्ष 2008 में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के आधार पर परिकल्पित इस परियोजना का प्रारंभिक उद्देश्य लौह अयस्क के परिवहन को सुगम बनाना था। समय के साथ परियोजना का दायरा व्यापक हुआ और यह बस्तर क्षेत्र को आर्थिक एवं सामाजिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजना के रूप में विकसित हुई।

बस्तर क्षेत्र के रहवासियों के लिए रावघाट तक यात्री रेल सेवा का विस्तार लंबे समय से प्रतीक्षित बेहतर रेल संपर्क की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। रेल संपर्क के विस्तार के साथ रेलवे स्टेशनों के आसपास के क्षेत्रों में जनसुविधाओं के विकास तथा अस्पतालों जैसी आवश्यक सुविधाओं के विस्तार से क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति मिली है।

इस रेल परियोजना का विकासात्मक प्रभाव अब क्षेत्र में परिलक्षित होने लगा है। वर्ष 2022 में दल्लीराजहरा से ताड़ोकी के बीच यात्री रेल सेवा शुरू होने के बाद स्थानीय लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं व्यवसाय के अवसरों तक बेहतर पहुंच मिली है। रावघाट तक रेल संपर्क के विस्तार से इन लाभों का दायरा और व्यापक होने की उम्मीद है। इससे बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच सुगम होने के साथ छत्तीसगढ़ तथा देश के प्रमुख शहरों एवं नगरों से संपर्क भी सुदृढ़ होगा। दल्लीराजहरा-रावघाट रेल कॉरिडोर के परिचालन में आने से क्षेत्रीय विकास को गति मिलने के साथ लौह अयस्क परिवहन के लिए आवश्यक लॉजिस्टिक्स आधारभूत संरचना भी मजबूत होगी। यह रेल संपर्क इस्पात क्षेत्र की दीर्घकालिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक होने के साथ बस्तर क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति प्रदान करेगा।

14वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर 2026 में डॉ. प्रदीप चौधरी सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित 14वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर 2026 में समाजसेवा एवं जनहित के क्षेत्र में निरंतर किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए डॉ. प्रदीप चौधरी को सम्मानित किया गया।डॉ. प्रदीप चौधरी द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों के लिए स्वास्थ्य एवं जनहित से जुड़े कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। साथ ही वे लघु उद्योगों एवं स्मॉल इंडस्ट्रीज की प्रोसेसिंग यूनिट्स को बढ़ावा देने, स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहित करने तथा रोजगार एवं स्वावलंबन की दिशा में सकारात्मक वातावरण बनाने के प्रयासों से भी जुड़े रहे हैं।

सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. प्रदीप चौधरी ने आयोजकों, उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधियों एवं उपस्थित सभी अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि समाज और जनहित के कार्यों को और अधिक समर्पण के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा है।उन्होंने कहा कि छोटे उद्योग और प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थानीय स्तर पर रोजगार, उद्यमिता और आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहन मिलना समाज और प्रदेश की प्रगति के लिए आवश्यक है।कार्यक्रम में उद्योग, व्यापार, सामाजिक क्षेत्र एवं विभिन्न संस्थाओं से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती की प्रांत अध्यक्ष श्रीमती सिपी दुबे, एमएसएमई के डायरेक्टर परगनिया, उद्योग संचालनालय के डायरेक्टर संजय गजघाटी, दुर्ग लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष संजय मिश्रा, ओम प्रकाश रजक, धीरेंद्र कश्यप, राजेश मिश्रा, आर. रूपेश, कृष्ण सिंह, विश्वनाथ कुशवाहा, विनोद गुप्ता, मनोज गुप्ता, नंदू गुप्ता, डॉ. सूर्य प्रकाश शुक्ला एवं संजीव करमाकर सहित उद्योग एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े प्रमुख लोग उपस्थित रहे। डॉ. प्रदीप चौधरी ने कहा कि समाजसेवा, जनहित और स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

हरे कृष्णा मूवमेंट में राधा अष्टमी महोत्सव का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के सेक्टर-6 अक्षय पात्र प्रांगण में स्थित हरे कृष्णा मूवमेंट में राधा अष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया। राधा अष्टमी, कृष्ण जी की प्रिया श्रीमती राधारानी के आविर्भाव की पावन तिथि है। श्रीमती राधा रानी का जन्मोत्सव भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी के पंद्रह दिन बाद जन्माष्टमी की तरह राधा अष्टमी का त्योहार भी भिलाई के हरे कृष्णा मंदिर में बड़े जोर-शोर के साथ मनाया गया।

राधा रानी के पिता का नाम वृषभानु और माता का नाम कीर्ति था। राधा जी स्वयं लक्ष्मी स्वरूपा हैं। भगवान श्रीकृष्ण के लिए वृंदावन की गोपियों द्वारा किया गया प्रेम सर्वोच्च प्रेम है। यह प्रेम स्वार्थ की भावना एवं भौतिक लालसा से रहित है। गोपियां जीवात्मा के भगवान के प्रति प्रेम की प्रतिमूर्ति हैं, क्योंकि भगवान की प्रसन्नता ही उनके जीवन का एकमात्र लक्ष्य है। सभी गोपियों में सर्वश्रेष्ठ गोपी श्रीमती राधारानी हैं एवं सभी भक्तों के लिए आदर्श हैं। राधा अष्टमी के दिन मंदिर में भगवान श्री राधा-कृष्ण का दिव्य अलंकार किया गया।

संपूर्ण मंदिर को पुष्पों से सुसज्जित किया गया। शाम 6:30 बजे से संध्या आरती एवं कीर्तन से उत्सव का आरंभ हुआ, जिसमें भगवान के नाम के दिव्य मंत्र उच्चारण से संपूर्ण वातावरण गुंजायमान हो गया। इसी समय भगवान श्री राधा-कृष्ण का दिव्य अभिषेक किया गया। भगवान की महाआरती के पश्चात दिव्य पालकी उत्सव का आयोजन हुआ। उस समय विभिन्न फूलों से आच्छादित रंगायमान परिसर अत्यंत रमणीय दिखाई पड़ता था। अंत में सभी भक्तों को भगवान का प्रसाद वितरित किया गया।

सेवा संकल्प अभियानः सेठ आर.सी.एस. कन्या एवं वाणिज्य महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रक्त एक ऐसी चीज है, जिसे आज भी इंसान ही इंसान को दे सकता है - कलेक्टर

दुर्ग। सेवा संकल्प अभियान के तहत सेठ आर.सी.एस. कन्या एवं वाणिज्य महाविद्यालय में कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन नवदृष्टि फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

युवाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान शिविर में भाग लिया और ब्लड डोनेट किया। इस अवसर पर कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि आज हम टेक्नोलॉजी और विज्ञान के क्षेत्र में लगातार नई-नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। विज्ञान ने ऐसी कई चीजें संभव कर दी हैं, जिनकी पहले कल्पना भी मुश्किल थी। लेकिन रक्त एक ऐसी चीज है, जिसे आज भी इंसान ही इंसान को दे सकता है।

रक्त की आवश्यकता हम सभी को जीवन में कभी न कभी पड़ सकती है। ऐसे समय में रक्त की उपलब्धता किसी के जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें रक्तदान के महत्व को समझना चाहिए और लोगों को नियमित रूप से रक्तदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। हमारा छोटा-सा प्रयास किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा रक्त को बैंक में जमा बचत की तरह समझना चाहिए। जिस तरह हम भविष्य की जरूरतों के लिए बैंक में धन जमा करते हैं, उसी तरह रक्तदान भी समाज के लिए एक तरह की सामूहिक बचत है।

उन्होंने कहा कि आज हम जो रक्तदान कर रहे हैं, जरूरी नहीं कि उसकी आवश्यकता हमें तुरंत पड़े। 10-20 सालों में हमें स्वयं या हमारे परिवार के किसी सदस्य को रक्त की जरूरत पड़े। उस समय युवाओं द्वारा दिया गया रक्तदान जरूरतमंदों की मदद करेगा। आज हमारा दिया हुआ रक्त किसी अनजान व्यक्ति का जीवन बचा सकता है और भविष्य में जरूरत पड़ने पर समाज भी हमारे लिए इसी भावना के साथ आगे आएगा।

साइबर जागृति अभियानः एसटीएफ जवानों को साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। साइबर जागृति अभियान के तहत दुर्ग पुलिस द्वारा पुलिस लाइन स्थित प्रशासनिक भवन के दधीचि प्रशिक्षण हॉल में एसटीएफ के अधिकारी-कर्मचारियों के लिए साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल सतर्कता संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में वर्तमान समय में सामने आ रहे साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों, ऑनलाइन ठगी के स्वरूप तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के सुरक्षित उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। अधिकारी-कर्मचारियों को साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल शिकायत एवं कार्रवाई के लिए उपलब्ध तकनीकी और कानूनी माध्यमों के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई।

मुख्य अतिथि मंत्री गजेन्द्र यादव ने सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि अनजान व्यक्तियों से प्राप्त संदेश, फ्रेंड रिक्वेस्ट तथा संदिग्ध लिंक को लेकर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने **OTP, PIN,** पासवर्ड और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी भी व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा को लेकर केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं, बल्कि परिवार और समाज में भी जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है।

उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल ने साइबर अपराधों की रोकथाम में पुलिस की तकनीकी दक्षता और त्वरित कार्रवाई के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों को साइबर अपराध के बदलते तरीकों से लगातार अपडेट रहने, प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने तथा उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने के लिए मार्गदर्शन दिया।

प्रशिक्षण के दौरान फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाली ठगी, ह्वाइट आधारित धोखाधड़ी और ऑनलाइन वित्तीय अपराधों से बचाव की सावधानियों के संबंध में व्यावहारिक जानकारी दी गई। साइबर अपराध होने की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के बारे में भी बताया गया।

कार्यक्रम के दौरान एसटीएफ के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने तथा डिजिटल माध्यमों का सतर्कतापूर्वक उपयोग करने की शपथ दिलाई गई।

श्री दक्षिण कौशल गणेश उत्सव समिति, पद्मनाभपुर में भूपेश बघेल एवं अरुण वोरा ने की पूजा-अर्चना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। श्री दक्षिण कौशल गणेश उत्सव समिति, पद्मनाभपुर दुर्ग में आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा शामिल हुए। दोनों नेताओं ने भगवान श्री गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। भूपेश बघेल एवं अरुण वोरा ने गणेश उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

41 वां अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह

श्वेता नायक ग्रुप के कुचिपुड़ी नृत्य ने मोह लिया दर्शकों का मन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। 41वें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह की सांस्कृतिक संध्या में बिलासपुर की श्वेता नायक एंड ग्रुप ने कुचिपुड़ी नृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 'शिवशक्ति समर्पण' शीर्षक से प्रस्तुत इस नृत्य में भगवान शिव के तांडव और माता पार्वती के लास्य का मनोहारी संगम देखने को मिला। प्रस्तुति में भक्ति, शक्ति, सौंदर्य और लय का सुंदर समावेश रहा।

कार्यक्रम का आरंभ 'मीनाक्षी पंचरत्नम्' से हुआ। रागमालिका और आदि ताल में प्रस्तुत इस रचना के माध्यम से देवी मीनाक्षी के दिव्य स्वरूप, सौंदर्य और महिमा को कुचिपुड़ी की भावपूर्ण अभिव्यक्ति में प्रस्तुत किया गया। इसके बाद 'तरंगम' की प्रस्तुति ने दर्शकों का विशेष आकर्षण खींचा। थाली पर संतुलित नृत्य, जटिल पदसंचालन, लय और भाव के अद्भुत समन्वय ने प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाया।

'शिवशक्ति समर्पण' में भगवान शिव के गंगाधर, चंद्रचूड़ और आनंद नटराज स्वरूपों का भावपूर्ण निरूपण किया गया। गंगा के शिव की जटाओं में अवतरण और भगवान शिव द्वारा लोककल्याण के लिए गंगा को अपनी जटाओं में धारण करने के प्रसंग को नृत्य के माध्यम से जीवंत किया गया। गुरु श्वेता नायक के निर्देशन में डी. धारणी, श्री दिशा पॉल, चेतन्या साहू, मेघा सारथी, ऐश्वर्या, श्वेता सालिनी नायक, एन. स्तुति रेड्डी, एन. दिव्यांका, हर्षिता कैवर्त सहित कलाकारों ने प्रस्तुति दी।

चक्रधर समारोह-2026 की पांचवीं सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ बिलासपुर की रायगढ़ घराने की कथक नृत्यांगना अंजिनी मिश्रा की मनमोहक प्रस्तुति से हुआ। उन्होंने कृष्ण वंदना के साथ कथक की प्रस्तुति आरंभ की।

भावपूर्ण अभिनय, आकर्षक पद संचालन और लय-ताल के सधे हुए समन्वय ने मंच पर ऐसा वातावरण रचा कि दर्शक पूरी प्रस्तुति के दौरान मंत्रमुग्ध रहे।

अंजिनी मिश्रा ने राजा चक्रधर सिंह की रचनाओं पर आधारित घाट, उपोड़धा, परण, पैरों की तिहाई, चालन, भाव, गतभाव एवं कवित्त की प्रस्तुतियां दीं।

कथक की बारीकियों, भावाभिव्यक्ति और पद संचालन के माध्यम से उन्होंने रायगढ़ घराने की विशिष्ट नृत्य परंपरा को प्रभावी ढंग से मंच पर जीवंत किया। प्रस्तुति में तकनीकी पक्ष के साथ भाव और अभिनय का सुंदर संतुलन देखने को मिला। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रस्तुत ठुमरी ने सांस्कृतिक संध्या को भावपूर्ण विराम दिया।

अंजिनी मिश्रा के साथ तबले पर गुरु भूपेंद्र बरेठ और गायन पर गुरु साहिल ने संगत प्रदान की। तबले की सधी हुई थाप, गायन के सुर और कथक की लयकारी के सुंदर मेल ने प्रस्तुति को और प्रभावशाली बना दिया।

अंजिनी मिश्रा ने महज तीन वर्ष की उम्र से नृत्य साधना प्रारंभ की। पिछले 15 वर्षों से वे संगीत नाटक अकादमी रत्न एवं पद्मश्री सम्मानित पंडित रामलाल बरेठ तथा उनके सुपुत्र गुरु भूपेंद्र बरेठ से कथक की शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। अपनी निरंतर कला साधना के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनेक प्रतिष्ठित मंचों पर कथक की प्रस्तुतियां दी हैं। इनमें मलेशिया सहित विदेशों के मंच भी शामिल हैं।

अंजिनी मिश्रा भारत सरकार की सीसीआरटी छात्रवृत्ति प्राप्त कलाकार भी हैं। चक्रधर समारोह के मंच पर अपनी पहली प्रस्तुति में उन्होंने अपनी कला साधना के साथ रायगढ़ घराने की समृद्ध कथक परंपरा, गुरु-शिष्य परंपरा और राजा चक्रधर सिंह की संगीत एवं नृत्य साधना की विरासत को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

डॉ. मंजू ईलांग्बाम की मणिपुरी नृत्य प्रस्तुति में मनोहारी संगम

प्रतिष्ठित मणिपुरी नर्तक डॉ. मंजू ईलांग्बाम ने अपनी भावपूर्ण और लयबद्ध प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति में मणिपुरी नृत्य की शास्त्रीय गरिमा, कोमलता और भाव-अभिनय का सुंदर समन्वय देखने को मिला। सहज पदचाल, भाव-भंगिमाओं और लयकारी ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। मणिपुरी नृत्य की पारंपरिक शैली को उन्होंने अपनी प्रभावशाली नृत्याभिव्यक्ति के माध्यम से जीवंत किया। प्रस्तुति के दौरान दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकार का उत्साहवर्धन किया। डॉ. मंजू मणिपुरी शास्त्रीय नर्तक, कोरियोग्राफर और शोधकर्ता हैं। उन्होंने विश्व-भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन से मणिपुरी नृत्य में स्वर्ण पदक के साथ पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। उन्हें संगीत नाटक अकादमी उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार तथा मणिपुर राज्य कला अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर इरोम रॉबर्ट सिंह ने तालवाद्य, मायोंगबाम प्रियानी देवी ने गायन एवं संगीत तथा लाइमायुम नेल्सन शर्मा ने सितार वादन से संगत दी। कलाकारों की प्रभावी संगत ने प्रस्तुति की सुंदरता को और निखार दिया।

शार्वी ने दी कथक की मनमोहक प्रस्तुति

युवा कथक नृत्यांगना शार्वी सिंह परिहार ने मनमोहक कथक प्रस्तुति दी। समारोह में शार्वी ने उठान और 'कर्पूरगौरं करुणावतारं' पर आधारित शिव वंदना से शुरुआत की। इसके बाद ठाट, गदनिक, तोड़ा-तुकड़ा, परन, लड़ी, तिहाई और चक्रदार तोड़ों के माध्यम से कथक की शास्त्रीय बारीकियों को प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों ने सराहा। बाल्यावस्था से ही कथक की साधना कर रहीं शार्वी पिछले करीब 12 वर्षों से इस विधा का प्रशिक्षण ले रही हैं। वे गुरु तरुण कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में लखनऊ घराने की कथक परंपरा सीख रही हैं। शार्वी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न मंचों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्हें कई पुरस्कार और सम्मान भी प्राप्त हुए हैं। चक्रधर समारोह में भी वे पूर्व में समूह और एकल कथक प्रस्तुति दे चुकी हैं।

कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान और सुलभ उपचार के लिए सभी को मिलकर करना होगा काम : मुख्यमंत्री

- चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 का साय ने किया शुभारंभ
- 100 एकड़ में विकसित हो रही 5 हजार बिस्तरों की मेडिसिटी
- 200 से अधिक राष्ट्रीय और 11 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ हो रहे शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कैंसर के विरुद्ध लड़ाई केवल बीमारी के उपचार तक सीमित नहीं है। मरीज को आधुनिक और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने के साथ उसका मनोबल बनाए रखना तथा उसे यह विश्वास दिलाना भी उतना ही आवश्यक है कि इस कठिन लड़ाई में वह अकेला नहीं है। चिकित्सकों का संवेदनशील व्यवहार और परिवार एवं समाज का भावनात्मक सहयोग मरीज के भीतर बीमारी से लड़ने का हौसला बढ़ाता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवा रायपुर स्थित मेफेयर में बालको मेडिकल सेंटर द्वारा आयोजित चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कैंसर आज पूरी दुनिया के सामने गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। कैंसर का नाम सुनते ही मरीज के साथ पूरा परिवार चिंता और अनिश्चितता से घिर जाता है। बीमारी का प्रभाव केवल मरीज के शरीर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसकी मानसिक, पारिवारिक और आर्थिक परिस्थितियों पर भी पड़ता है। इसलिए कैंसर के उपचार में समग्र दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

समय पर पहचान से बढ़ती हैं प्रभावी उपचार की संभावनाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कैंसर से लड़ाई में सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक बीमारी की समय पर पहचान है। शुरुआती अवस्था में कैंसर की पहचान होने पर प्रभावी उपचार की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी कैंसर सहित गंभीर बीमारियों की समय पर स्क्रीनिंग और रोकथाम को प्राथमिकता दी है। श्री साय ने कॉन्क्लेव में उपस्थित विशेषज्ञों से आग्रह किया कि वे ऐसी आधुनिक तकनीकों, अनुसंधानों और प्रभावी उपायों पर विचार करें, जिनसे कैंसर की जल्द पहचान हो सके और उपचार को अधिक सस्ता, सुलभ तथा आम लोगों की पहुंच में लाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कॉन्क्लेव चिकित्सा जगत के अनुभव, शोध और नवाचार को साझा करने का महत्वपूर्ण मंच हैं। यहां होने वाला विचार-विमर्श भविष्य की स्वास्थ्य नीतियों और उपचार पद्धतियों को नई दिशा देने में सहायक होगा।

प्रदेश में लगातार मजबूत हो रही स्वास्थ्य अधोसंरचना

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था। आज शासकीय और निजी मेडिकल कॉलेजों को मिलाकर इनकी संख्या 15 हो गई है। इसके साथ ही पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इन चिकित्सा संस्थानों में कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आवश्यक विशेषज्ञता, आधुनिक उपकरण और अधोसंरचना विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के लोगों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए दूर न जाना पड़े और उन्हें अपने राज्य में ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंभीर बीमारी के समय उपचार के खर्च की चिंता परिवार की परेशानी को और बढ़ा देती है। सरकार का प्रयास है कि आर्थिक कठिनाई किसी जरूरतमंद व्यक्ति के उपचार में बाधा न बने। आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान की है। पात्र परिवारों को योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपए तक उपचार की सुविधा मिल रही है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को 25 लाख रुपए तक की उपचार सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इन योजनाओं का उद्देश्य यही है कि बीमारी के कठिन समय में परिवार को आर्थिक चिंता के बजाय मरीज के स्वास्थ्य और उपचार पर ध्यान देने का संबल मिले।

बस्तर जैसे दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच रही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार बस्तर जैसे भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत लगभग 34 लाख लोगों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की गई है। इनमें करीब 40 हजार लोगों में विभिन्न बीमारियों की पहचान कर उन्हें उपचार से जोड़ा गया है।

उन्होंने कहा कि व्यापक स्क्रीनिंग का उद्देश्य बीमारी की शुरुआती अवस्था में ही पहचान करना और मरीज को समय पर उपचार उपलब्ध कराना है। सरगुजा सहित प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी कैंसर सहित गंभीर बीमारियों की पहचान और उपचार के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

नवा रायपुर में आकार ले रही 5 हजार बिस्तरों की मेडिसिटी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ को आधुनिक चिकित्सा सेवाओं के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में नवा रायपुर में लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में 5 हजार बिस्तरों की क्षमता वाली मेडिसिटी विकसित की जा रही है। यह परियोजना प्रदेश में विशेषज्ञ और सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। उन्होंने कहा कि मेडिसिटी के विकसित होने से प्रदेशवासियों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ेगी और छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव हैं। छत्तीसगढ़ ने वर्ष 2047 के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए अपना विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में छत्तीसगढ़ तभी प्रभावी योगदान दे सकेगा, जब प्रदेश का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ और सशक्त होगा।

उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति में चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की महत्वपूर्ण भूमिका है। समाज डॉक्टरों को अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखता है, क्योंकि वे कठिन परिस्थितियों में लोगों का जीवन बचाने और उन्हें स्वस्थ जीवन देने का कार्य करते हैं।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि चौथा बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव कैंसर की रोकथाम, समय पर स्क्रीनिंग, शोध और आधुनिक उपचार के क्षेत्र में उपयोगी निष्कर्षों तथा नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करेगा। यहां देश-दुनिया के विशेषज्ञों द्वारा साझा किए जा रहे अनुभव और नवाचार छत्तीसगढ़ में कैंसर के विरुद्ध सामूहिक प्रयासों को नई दिशा और मजबूती देंगे।

कैंसर मरीजों का तैयार होगा व्यवस्थित डेटाबेस : स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि चौथा छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। देश-दुनिया के कैंसर विशेषज्ञों का एक मंच पर आकर रोकथाम, स्क्रीनिंग, अनुसंधान और आधुनिक उपचार पद्धतियों पर अपने अनुभव साझा करना प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि बालको मेडिकल सेंटर द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से प्रदेश में 500 से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए हैं। शिविरों के माध्यम से लोगों में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर जांच के लिए प्रेरित करने का कार्य किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कैंसर की समय पर पहचान के लिए स्क्रीनिंग का दायरा लगातार बढ़ा रही है। प्रदेश में कैंसर को नोटिफाई करने का निर्णय लिया गया है। इससे कैंसर मरीजों का व्यवस्थित डेटाबेस तैयार किया जा सकेगा और उनके उपचार तथा स्वास्थ्य संबंधी जानकारियों का बेहतर ढंग से संधारण संभव होगा। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए एचपीवी टीकाकरण मिशन मोड में चल रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि स्क्रीनिंग और रोकथाम के उपायों के माध्यम से बीमारी की पहचान शुरुआती चरण में हो तथा मरीज को समय पर आवश्यक उपचार मिल सके।

डॉ खुशबू के घुंघरूओं की झंकार से गूंजा चक्रधर समारोह का मंच

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। 41वें चक्रधर समारोह-2026 की सांस्कृतिक संध्या में उज्जैन की प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना एवं नृत्य निर्देशक डॉ. खुशबू पांचाल ने अपनी शानदार कथक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति में कथक की बारीकियों, भाव-भंगिमाओं, लय, ताल और पदसंचालन का सुंदर समन्वय देखने को मिला। उन्होंने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से कथक की शास्त्रीय गरिमा और भाव-सौंदर्य को प्रभावी ढंग से मंच पर साकार किया। डॉ. खुशबू पांचाल पिछले तीन दशकों से कथक की साधना, प्रशिक्षण और प्रचार-प्रसार से जुड़ी हैं। वे नृत्य साधना नृत्य मंदिर की संस्थापिका एवं निदेशिका तथा नृत्याराधना संगीत एवं कला महाविद्यालय, उज्जैन की प्राचार्य हैं। उन्होंने खजुराहो नृत्य समारोह, मोढेरा महोत्सव और अखिल भारतीय कालिदास समारोह सहित देश-विदेश के अनेक प्रतिष्ठित मंचों पर कथक की प्रस्तुतियां दी हैं। चक्रधर समारोह के मंच पर उनकी प्रस्तुति ने कथक की समृद्ध परंपरा, भाव, संगीत और लय की खूबसूरती को दर्शकों के सामने जीवंत कर दिया। प्रस्तुति के समापन पर दर्शकों ने कलाकार का उत्साहपूर्वक अभिनंदन किया।

कियारा आडवाणी का किलर बॉस लेडी अवतार पावर सूट में बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉलीवुड की स्टनिंग और बेहद खूबसूरत अभिनेत्री कियारा आडवाणी हमेशा से ही अपने शानदार फैशन सेंस और अदाओं से फैंस का दिल जीतती आई हैं। हाल ही में कियारा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नए फोटोशूट की कुछ बेहद अट्रैक्टिव तस्वीरें शेयर की हैं।

इन तस्वीरों में कियारा का एक नया और बेहद पावरफुल बॉस लेडी रूप देखने को मिल रहा है। अपनी इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए कियारा ने कैप्शन में लिखा कि वे इनमें से कोई एक फोटो चुन नहीं पा रही थीं, इसलिए उन्होंने अपने पावर सूट एरा की ये तस्वीरें शेयर की हैं।

तस्वीरों में कियारा आडवाणी ने मोनोक्रोमैटिक कैमेल-बेज रंग का श्री-पीस पावर सूट पहना हुआ है। उनके इस एंसेंबल में एक फिटेड वेस्टकोट, क्लासिक टेलर्ड ब्लेज़र और हाई-वेस्टेड वाइड-लेग ट्राउजर शामिल हैं।

ब्लेज़र के नीचे उन्होंने सफेद कॉलर और कफ्स वाली शर्ट पहनी है, जिसे बेज कलर की स्लिम नेक-टाई के साथ पेयर किया गया है। उनके इस पूरे सूट पर बारीक प्लेड पैटर्न बना हुआ है, जो उनके कॉर्पोरेट लुक में एक विंटेज और मॉडर्न टच जोड़ता है।

एक्सेसरीज के तौर पर कियारा ने नो-फस लुक अपनाते हुए केवल सोने के स्टड इयररिंग्स, एक स्टेटमेंट रिंग और आंखों पर बड़े क्लियर-लेंस एविएटर चश्मे लगाए हैं, जो उनके इस अवतार को बेहद बोल्ड और कूल बनाते हैं। पैरों में उन्होंने मैचिंग पॉइंटेड-टो स्टिलेटोज़ पहने हैं।

तस्वीरों में कियारा का हर एक्सप्रेशन आत्मविश्वास और पावर से भरा हुआ है। किसी तस्वीर में वे अपने चश्मे को धीरे से थामे हुए कैमरे की ओर गंभीर और तीखी नजरों से देख रही हैं, तो किसी में दूर किसी सोच में डूबी नजर आ रही हैं।

उनके चेहरे पर मिनिमल मेकअप और न्यूड-पिंक लिपस्टिक के साथ सॉफ्ट-ग्लैम फिनिश दिया गया है, जो उनके नेचुरल ग्लो और नैन-नक्श को बखूबी उभार रहा है। कियारा ने अपने बालों को मिडिल-पार्टेड सॉफ्ट वेव्स में खुला रखा है।

कियारा आडवाणी का यह लेटेस्ट लुक सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो चुका है। फैंस और फैशन क्रिटिक्स उनके इस फॉर्मल-मीट्स-ग्लैमरस कॉम्बिनेशन की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

फिल्म मेकर्स ने की अभिनेत्री से कैसी अजीब मांग?

राधिका आप्टे ने किया खुलासा

अभिनेत्री राधिका आप्टे इन दिनों 'लस्ट स्टोरीज 3' में नजर आ रही हैं। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू दिया है और फिल्मों में दिखाई जा रही बेवजह की न्यूडिटी पर भी सवाल उठाए हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने अपने एक निजी अनुभव का खुलासा करते हुए फिल्ममेकर्स की पोल खोल दी है।

राधिका ने बताया कि अपने करियर के शुरुआत में उन्होंने कई बोल्ड और अलग तरह के किरदार निभाए हैं। लेकिन इसकी वजह से कुछ फिल्ममेकर्स यह मानने लगे कि वह ऐसे सीन करने के लिए हमेशा तैयार रहेंगी, भले ही उनकी जरूरत स्क्रिप्ट में न हो। सिर्फ इतना ही नहीं, अभिनेत्री से बिना किसी खास वजह के को-स्टार्स को किस करने के लिए कहा गया और यहां तक कि एक एक्शन सीन इनरवियर में करने को भी कहा गया।

क्या बोलीं राधिका आप्टे?

राधिका ने बताया कि उनकी कुछ फिल्मों में न्यूड सीन करने के बाद फिल्म इंडस्ट्री में यह सोच बनने लगी थी कि वह ऐसे सीन करने के लिए आसानी से तैयार हो जाएंगी। एक्ट्रेस ने कहा, 'शुरुआत में मैंने करीब चार-पांच फिल्में की थीं, जिनमें मैं पूरी तरह न्यूड थी। बहुत से लोग सोचते थे कि ये तो कर लेगी ना। इसलिए मुझे उन्हें बताना पड़ता है कि सुनिए, मैं असल में ऐसा नहीं करूंगी। मैं पूछना चाहती हूं कि आप ऐसा क्यों चाहते हैं? आप चाहते हैं कि मैं अभी उसे किस क्यों करूं? इस पर वे कहते हैं कि कर लो ना थोड़ा। मुझे बहुत से लोगों से यही जवाब मिलता है। आपको जानकर हैरानी होगी। बस थोड़ा किसिंग, सिर्फ 15 सेकंड का इम्प्रोवाइजेशन।'

कौनसे सीन के लिए फिल्ममेकर्स ने की अजीब मांग?

राधिका ने एक एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान मिली अजीब मांग के बारे में भी बताया। अभिनेत्री ने कहा, 'एक सेट पर उन्होंने मुझसे कहा कि क्या आप ये एक्शन सीन कर सकती हैं? अगर आप शर्ट के बटन न लगाएं तो? मैंने कहा कि ये एक्शन सीन है। फिर शर्ट तो हिलेगी ना? बेसिक फिजिक्स। वे बोले कि अगर आप सिर्फ इनरवियर में करें तो?' मैं सोचने लगी कि वह मुझसे करवाना क्या चाहते हैं?'

'वाराणसी' के बाद इस दिग्गज फिल्ममेकर से हाथ मिला सकते हैं, महेश बाबू

महेश बाबू जल्द ही बॉलीवुड के एक दिग्गज फिल्ममेकर के साथ हाथ मिला सकते हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि 'वाराणसी' के बाद उनकी अगली फिल्म इसी फिल्ममेकर के साथ होगी।

महेश बाबू अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इसके निर्देशक एसएस राजामौली हैं। अब खबर आ रही है कि वह बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं। उम्मीद है कि उनकी अगली फिल्म भंसाली के साथ होगी।

महेश बाबू से हुई भंसाली की मुलाकात

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय लीला भंसाली और महेश बाबू हाल ही में मिले और एक फिल्म की कहानी पर चर्चा की। बताया जाता है कि इस प्रोजेक्ट में शानदार सेट और संजय की फिल्मों वाली खास विजुअलाइजेशन देखने को मिलेगी। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। न ही निर्देशक और न ही अभिनेता ने इस पर कुछ कहा है।

अभी क्या कर रहे हैं संजय लीला भंसाली?

संजय लीला भंसाली फिलहाल अपनी अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' में व्यस्त हैं। इसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा है। 'लव एंड वॉर' 2027 में रिलीज होने वाली है।

महेश बाबू ने शुरू की डबिंग

इस बीच महेश बाबू अभी 'वाराणसी' की शूटिंग पर ध्यान दे रहे हैं। यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। खबरों के मुताबिक अभिनेता ने फिल्म में अपने ज्यादातर हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है और बाकी हिस्सा, जो उनका इंट्रोडक्शन सीन है, बाद में शूट करेंगे। खबर है कि उन्होंने अपने किरदार के लिए डबिंग भी शुरू कर दी है।

श्रुति हासन क्यों मांगती थीं पुरुषों को माहवारी होने की दुआ?

अभिनेत्री श्रुति हासन ने फिल्मों की शूटिंग के दौरान माहवारी के दर्द से निपटने के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने यह बातें सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर की। उन्होंने बताया कि जब एक को-स्टार ने घुटने की सर्जरी के दर्द का जिक्र किया, तो फिल्म की क्रू ने उसके हिसाब से काम किया। श्रुति ने यह भी कहा कि उन्होंने दुआ मांगी कि पुरुषों को भी माहवारी हो, ताकि इसे काम के कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया जा सके।

श्रुति ने क्या दुआ मांगी?

श्रुति और सोहा ने हार्मोन और माहवारी से जुड़ी गलतफहमियों के बारे में बात की। श्रुति ने कहा, 'इसका बस एक ही समाधान है और मैंने इसके लिए हजार बार दुआ की कि पुरुषों को भी माहवारी हो। फिर हमारे कॉन्ट्रैक्ट में पीरियड की छुट्टियां आ जाएंगी।' सोहा ने भी माना कि यह मददगार होगा लेकिन साथ ही यह भी कहा कि तब पुरुष इस बात पर मुकाबला करते कि उस महीने उन्हें कितना खून निकला।

सेट पर बात नहीं कर पाती थीं अभिनेत्री

श्रुति ने बताया कि PCOS (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) की वजह से उन्हें माहवारी में बहुत दर्द होता था। हालांकि, उनका कहना है कि करियर की शुरुआत में वह सेट पर इस बारे में बात नहीं कर पाती थीं। वह कहती हैं कि इसे टैबू (वर्जित विषय) मानने से ज्यादा, कई लोग तो इस बारे में बात ही नहीं करना चाहते थे।

श्रुति ने सुनाया किस्सा

अभिनेत्री ने कहा, 'मैंने एक दिन देखा, मेरे एक को-स्टार ने कहा, 'आपको पता है, मेरी घुटने की सर्जरी हुई है।' और उन्होंने कहा, 'ओह ठीक है, तो चलो इसके हिसाब से काम करते हैं।' मैंने कहा, 'मुझे पीरियड्स हैं।' असल में यहीं से शुरुआत हुई। जब मैंने पहली बार एक डायरेक्टर को बताया, तो उनकी एक बेटी थी और उन्होंने कहा कि उसे भी बहुत तेज क्रैम्प्स होते हैं। इससे नजरिया ही बदल गया।' श्रुति के मुताबिक इसके बाद सेट पर उनके लिए चीजें आसान हो गईं।

श्रुति हासन का वर्कफ्रंट

श्रुति आखिरी बार 2025 में लोकेश कनगराज की फिल्म 'कुली' में नजर आई थीं।

रजनीकांत की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म में नागार्जुन अक्किनेनी, सौबिन शाहिर, उपेंद्र, सत्यराज और रचिता राम भी अहम भूमिकाओं में थे।

फिल्म ने दुनिया भर में 518 करोड़ की कमाई की, लेकिन इसे मिले-जुले रिव्यू मिले।

इस साल, श्रुति ने राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ बुच्ची बाबू सना की 'पेद्दी' में 'हेललो' गाने के लिए अभिनय किया।

श्रुति के पास मायस्किन द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म 'ट्रेन' है। इसमें विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं।

उनके पास तेलुगु में पवन सादिनेनी की 'आकासामलो ओका तारा' भी है। इसमें दुलकर सलमान और सात्विका वीरावल्ली मुख्य भूमिका में हैं।

भारतीय अहसास को आवाज़ देने वाले सुर

हिन्दुस्तानी सिनेमा में बड़े-बड़े गायक आए, अपनी छाप छोड़ गए। मगर कुछ आवाज़ें ऐसी होती हैं जो सिर्फ गीत नहीं रहतीं, वो हमारी यादों का हिस्सा बन जाती हैं। लता जी ऐसी ही आवाज़ थीं, हैं और रहेंगी। इश्क़ हो, जुदाई हो, खुशी हो, इबादत हो, वतन से मुहब्बत हो – लता जी की आवाज़ हर जज़्बात के लिए उपयुक्त थी। वहीं उनका स्वर हर हीरोइन पर फिट बैठता था।

लता मंगेशकर के बारे में लिखते हुए सिर्फ 'भारत कोकिला' कह देना काफी नहीं है। यह उनकी हस्ती को एक लफ्ज़ में बंद करने जैसा है। उनकी असल अज़मत को समझना है तो उनकी आवाज़ की बारीकियों में जाना होगा – सुर की पाकीज़गी, लफ्ज़ों की अदायगी, सांस पर काबू, और हर किरदार के हिसाब से आवाज़ को बदल देने का हुनर।

हिन्दुस्तानी सिनेमा में बड़े-बड़े गायक आए, अपनी छाप छोड़ गए। मगर कुछ आवाज़ें ऐसी होती हैं जो सिर्फ गीत नहीं रहतीं, वो हमारी यादों का हिस्सा बन जाती हैं। लता जी ऐसी ही आवाज़ थीं, हैं और रहेंगी। उनको सुनना सिर्फ एक गाना सुनना नहीं था, वो अपने ही दिल के किसी कोने से मिलने जैसा था, जिसे हम लफ्ज़ों में कह नहीं पाते थे। इश्क़ हो, जुदाई हो, खुशी हो, इबादत हो, वतन से मुहब्बत हो – लता जी की आवाज़ हर जज़्बात के लिए पहले से मौजूद एक ज़ुबान थी। किस्सा मशहूर है कि शुरू में नौशाद साहब जैसे बड़े संगीतकार ने कह दिया था कि इस लड़की की आवाज़ बहुत पतली है। उस वक़्त किसी ने नहीं सोचा था कि यही पतली, कमज़ोर समझी जाने वाली आवाज़ एक दिन पूरे फिल्म संगीत की तस्वीर ही बदल देगी।

नाज़ुक आवाज़ का जादू

उस जमाने में फिल्मों में भारी, गूंजदार आवाज़ को पसंद किया जाता था। इसलिए जब लता जी की हल्की, नर्म और साफ-शुफ्फाफ आवाज़ आई तो कई लोग उसे पहचान नहीं पाए। मशहूर गायिका शुभा मुद्गल कहती हैं कि लता जी की आवाज़ हवा जैसी हल्की और मीठी थी, लेकिन जैसे ही वह माइक के सामने आती थी, वह पूरी ताकत और अपनी पहचान के साथ सुरों को बिल्कुल सही जगह पर लगाती थीं। यह कुदरत और रियाज़ का संगम था। उनकी गायकी में सबसे पहली बात जो दिल को छूती है, वह है सफाई, कोई फालतू वज़न नहीं, लफ्ज़ साफ, सुर सच्चे। वह सीधे दिल में उतर जाती है।

एक बहुत अहम बात – सांस पर काबू। लता जी ने उस्ताद अनिल बिस्वास से सीखा था कि गीत में सांस कहां लेनी है और कहां छोड़नी है, इस तरह कि सुनने वाले को पता ही न चले कि गायिका ने सांस ली है। पार्श्व गायक को एक साथ तीन काम करने होते हैं – सुर को संभालना, लफ्ज़ को बचाना और जज़्बात को निभाना। लता जी ये तीनों काम आसानी से करती थीं।

लफ्ज़ की इज्जत

गुलाम हैदर साहब ने उन्हें सिखाया था कि गाने से पहले बोल का मतलब समझो। हेमंत कुमार ने गद्य को गाना सिखाया, तो मदन मोहन ने लफ्ज़ों में कई रंग भरना। इसीलिए लता जी जब गाती थीं तो लफ्ज़ सिर्फ लफ्ज़ नहीं रहते थे। 'प्यार किया तो डरना क्या' में वही आवाज़ एक चुनौती, एक बगावत बन जाती है। ऊंचे सुर पर जाकर भी वह लड़खड़ाती नहीं। वहां इश्क़ में हिम्मत है। फिर 'अजीब दास्तां है ये' में वही आवाज़ एक खोई हुई याद, एक मीठा सा शिकवा बन जाती है। 'आज फिर जीने की तमन्ना है' में उनकी आवाज़ में खुले आसमान की आज़ादी है। वहीं 'ऐ मेरे वतन के लोगों' में वही आवाज़ पूरे मुल्क के आंसू की आवाज़ बन जाती है।

हर नायिका की आवाज़

पार्श्व गायन का सबसे मुश्किल काम है खुद गायब होकर दूसरे में बस जाना। लता जी इसमें बेजोड़ थीं। उनकी आवाज़ मधुबाला पर अलग लगती थी, मीना कुमारी पर अलग, वहीदा रहमान पर अलग और रेखा पर अलग। लगता था जैसे वही हीरोइन गा रही है। इसलिए वह किसी एक हीरोइन की आवाज़ नहीं बनीं, वह हिन्दुस्तानी सिनेमा की महिला की आवाज़ बन गईं। उनका गीत 'आएगा आने वाला' इसका सबसे बड़ा सबूत है। फिल्म 'महल' में मधुबाला पर्दे पर हैं, पर माहौल लता जी की आवाज़ बना रही है। आवाज़ धीरे-धीरे अंधेरे से आती है, जैसे कोई राज़ हो। यह बताया कि आवाज़ भी तस्वीर बन सकती है।

दुपहिया का सीजन 2 लौटने के लिए तैयार, रिलीज तारीख का हो गया ऐलान

शिवानी रघुवंशी और स्पर्श श्रीवास्तव की वेब सीरीज दुपहिया के दूसरे सीजन का ऐलान हो गया है। सोनम नायर द्वारा निर्देशित कॉमेडी-ड्रामा का पहला सीजन पिछले साल आया था, जिसे आईएमडीबी ने 7.4 की रेटिंग दी है।

अब निर्माताओं ने दूसरे सीजन की रिलीज तारीख से पर्दा उठाया है और इसका पहला पोस्टर भी दिखाया है। इसे अविनाश द्विवेदी और चिराग गर्ग द्वारा बनाया और लिखा गया है, जबकि निर्माण बॉम्बे फिल्म कार्टेल एलएलपी के बैनर तले किया गया है।

दुपहिया 2 का प्रीमियर इस बार भी अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, सुनो सुनो सुनो... धड़कपुर अब अपराध मुक्त नहीं हो रहा। दुपहिया का नया सीजन, 1 अक्टूबर, 2026 से। यह सीरीज काल्पनिक गांव धड़कपुर पर आधारित है, जो कभी अपराधमुक्त था। हालांकि, अब यहां किरदारों को हर दिन नई समस्याओं से जूझना पड़ता है। सीरीज में दिनेश लाल यादव (निरहुआ), गजराज राव, रेणुका शहाणे, भुवन अरोड़ा और यशपाल शर्मा भी अपने किरदारों में लौटेंगे।

खास-खबर

युवा रत्न सम्मान 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों द्वारा सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षणिक, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने एवं राज्य स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से युवा रत्न सम्मान योजना 2026-27 संचालित की जा रही है। योजना के तहत प्रत्येक वर्ष 01 स्वैच्छिक संगठन तथा 14 विभिन्न क्षेत्रों में 01-01 उत्कृष्ट युवा को सम्मानित किए जाने का प्रावधान है। चयनित स्वैच्छिक संगठन को पदक, प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान स्वरूप 5 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान के लिए चयनित युवा को 2.50 लाख रुपये तथा अन्य युवा रत्न सम्मान के लिए चयनित प्रत्येक युवा को 1 लाख रुपये की सम्मान राशि के साथ पदक, शाल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

बच्चों की कल्पना में दिखा 'मेरे सपनों का भारत'

बेमेतरा। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत आज ग्राम मानपुर के शासकीय प्राथमिक शाला में 'मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला, रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के बच्चों ने स्वच्छ भारत, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत 2047 जैसे विषयों को अपनी पेंटिंग और रंगोली के माध्यम से बेहद खूबसूरत ढंग से प्रस्तुत किया। बच्चों की अद्भुत प्रतिभा, रचनात्मकता और देश के प्रति उनकी सकारात्मक सोच देखने को मिला। बच्चों के चित्रों में डिजिटल इंडिया, हरित भारत, स्वच्छ भारत और आत्मनिर्भर भारत की जो तस्वीर उभरी, वह 2047 के विकसित भारत के संकल्प को साकार करती है।

पीएम रोजगार सृजन से बदली विनोद सेन की राह

महासमुंद। महासमुंद जिले के ग्राम बेमचा निवासी विनोद कुमार सेन ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का लाभ लेकर अपने छोटे से सेलून व्यवसाय को आधुनिक रूप दिया और आज स्वयं के साथ दो अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर रहे हैं। श्री विनोद कुमार सेन बताते हैं कि वे पहले गांव में हजामत का काम करते थे। इसके बाद उन्होंने गांव में ही एक छोटा सा सेलून शुरू किया। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण वे अपने ग्राहकों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पा रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से संबंधित जानकारी प्राप्त की और जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, महासमुंद से संपर्क किया। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र से योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के बाद श्री सेन ने ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया। भारतीय स्टेट बैंक, मेन ब्रांच महासमुंद को प्रेषित किया गया। बैंक द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए उन्हें 2.50 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया।

औद्योगिक नीति 2024-30 से मिले 8.23 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण मिशन के लिए 500 करोड़

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंबिकापुर में आयोजित दो दिवसीय 'अग्र महाकुंभ-2026' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अग्रवाल समाज की उद्यमिता, दानशीलता, परोपकार और समाजसेवा की समृद्ध परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। व्यापार और व्यवसाय से आगे बढ़कर समाज के उद्यमियों ने उद्योगों की स्थापना, रोजगार सृजन और जनसेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अग्रवाल समाज की पहचान केवल सफल व्यापार और उद्यमिता तक सीमित नहीं है। अर्थोपार्जन के साथ परमार्थ की भावना इस समाज की विशिष्टता रही है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों, धर्मशालाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी संस्थाओं तथा अनेक जनसेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज निरंतर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाता आया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में ऐसा सुरक्षित, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जहां व्यापार और उद्योगों का विस्तार हो, निवेश बढ़े और युवाओं के लिए रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित हों। उन्होंने कहा कि व्यापार और उद्योग जगत से जुड़े अग्रवाल समाज के अनुभवी लोगों के सुझाव शासन की नीतियों को और अधिक व्यावहारिक एवं जनोपयोगी बनाने में सहायक रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सरगुजा अंचल की आर्थिक संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां पर्यटन, कृषि आधारित उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण और स्थानीय उत्पादों के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने के बाद होटल, होम-स्टे और पर्यटन सेवाओं से जुड़े क्षेत्रों में निवेश एवं रोजगार के नए अवसर विकसित हो रहे हैं।

उन्होंने अग्रवाल समाज के अनुभवी उद्यमियों से आह्वान किया कि वे इन संभावनाओं से जुड़ें और अपने अनुभव तथा उद्यमशीलता के माध्यम से प्रदेश के युवाओं और छोटे उद्यमियों को भी आगे बढ़ने में सहयोग करें।

बड़े और अनुभवी उद्यमियों का मार्गदर्शन नई पीढ़ी को आत्मनिर्भर बनने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुख्यमंत्री ने अग्र महाकुंभ में स्वास्थ्य एवं योग जैसे विषयों को शामिल किए जाने की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि व्यापार और कार्य की व्यस्तता के बीच स्वास्थ्य की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। स्वस्थ व्यक्ति से ही स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज का निर्माण होता है तथा स्वस्थ समाज ही निरंतर प्रगति की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने 'दशम अग्र अलंकरण' के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और सम्मानित होने वाली सभी विभूतियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि समाज की प्रतिभाओं का सम्मान नई पीढ़ी को भी अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन, अग्रवाल सभा अंबिकापुर, सरगुजा संभागीय अग्रवाल महासभा सहित आयोजन से जुड़े सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को अग्र महाकुंभ-2026 के आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कामना की कि अग्रवाल समाज की उद्यमिता, सेवा, सहयोग और परोपकार की गौरवशाली परंपरा इसी तरह निरंतर आगे बढ़ती रहे और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में समाज अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहे।

समृद्धि का अर्थ प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ाना : पर्यटन मंत्री

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अग्र महाकुंभ हमारी सामूहिक चेतना, संगठन शक्ति, सामाजिक उत्तरदायित्व और भविष्य की दिशा पर विचार करने का महत्वपूर्ण अवसर है। महाराजा अग्रसेन जी ने जिस सामाजिक व्यवस्था की कल्पना की थी, उसके मूल में समानता, सहयोग, संवेदनशीलता और सहभागिता की भावना थी। हमें इसे आगे तक लेकर जाना है।

औद्योगिक नीति 2024-30 के बाद मिले 8 लाख 23 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीति 2024-30 को रोजगार केंद्रित बनाया गया है। इसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ महिलाओं सहित विभिन्न वर्गों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए पर्यटन को भी उद्योग का दर्जा दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को अब तक लगभग 8 लाख 23 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार होने के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे।

महिला शक्ति और युवाओं की भागीदारी से समाज को मिलेगी नई ऊर्जा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज हमारी बेटियां और बहनें परिवार की जिम्मेदारियां संभालने के साथ व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग, स्टार्टअप और समाजसेवा सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का परिचय दे रही हैं। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी परिवार, समाज और प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई शक्ति प्रदान कर रही है। उन्होंने युवाओं के लिए आयोजित विशेष सत्र को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बदलते समय में नई पीढ़ी के सामने अवसरों का एक विशाल संसार है। युवाओं को अपने संस्कारों और सामाजिक मूल्यों से जुड़े रहते हुए आधुनिक तकनीक, नवाचार और उद्यमिता को अपनाना होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अग्रकुंभ द्वारा आयोजित ट्रेड फेयर का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अग्र महाकुंभ के अवसर पर लगाए गए ट्रेड फेयर का शुभारंभ किया। उन्होंने स्टॉलों का अवलोकन किया और उद्यमियों से उनके उत्पादों तथा गतिविधियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने मंच से 'अग्रकुल दर्शन' पत्रिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज, बसना विधायक संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री अमर अग्रवाल, कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल सहित देशभर से अग्रवाल समाज के पदाधिकारी, समाजसेवी और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

राज्य के सभी 33 जिलों में स्थापित किये जाएंगे उद्यमिता विकास केन्द्र

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने युवाओं की उद्यमशीलता को नई दिशा देने के उद्देश्य से हाल ही में 'मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण मिशन' को मंजूरी दी है। इसके लिए आगामी पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। प्रदेश के सभी 33 जिलों में उद्यमिता विकास केंद्र स्थापित किए जाएंगे। 100 इमर्जिंग टेक्नोलॉजी लैब और 5 इंडस्ट्री सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। इससे युवाओं को नई तकनीकों, कौशल, नवाचार और स्टार्टअप के क्षेत्र में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026-30 को भी मंजूरी दी है।

जन्मजात हृदय रोग : चिरायु योजना से धमतरी के भाव्यांश को मिला नयाजीवन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। समय पर ली गई एक सही स्वास्थ्य जांच किसी मासूम का पूरा भविष्य संवार सकती है, इसका जीवंत उदाहरण धमतरी के नन्हें भाव्यांश साहू की यह सफलता की कहानी है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत संचालित 'चिरायु योजना' ने जन्मजात हृदयरोग से जूझ रहे इस बच्चे को न केवल समय पर सही इलाज दिलाया, बल्कि उसके परिवार के जीवन में खुशियों की एक नई रोशनी भी बिखेर दी।

फरवरी 2026 में शहरी चिरायु टीम धमतरी ने जालमपुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-01 में बच्चों के स्वास्थ्य का नियमित परीक्षण किया। जांच के दौरान भाव्यांश में जन्मजात हृदयरोग के लक्षण मिले। बच्चे को आगे के उच्च स्तरीय उपचार के लिए श्री सत्य साईं अस्पताल, नया रायपुर रेफर किया।

31 अगस्त 2026 को भाव्यांश को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 2 सितंबर को विशेषज्ञ कार्डियाक सर्जनों की टीम द्वारा उसकी सफल हृदय सर्जरी संपन्न हुई। चिकित्सकों की निरंतर देखरेख और सही देखभाल का ही परिणाम था कि मासूम के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार आया और 9 सितंबर को उसे पूर्णत: स्वस्थ अवस्था में डिस्चार्ज कर दिया गया।

सेरेब्रल पाल्सी प्रभावित बच्चों के लिए सीपी चेयर की व्यवस्था

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दिव्यांग बच्चों के लिए छोटी-सी सुविधा भी उनके दैनिक जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। इसी संवेदनशील सोच के साथ फिजिकल रेफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर, माना कैम्प, रायपुर द्वारा बहु दिव्यांग बालिका गृह में निवासरत सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों के लिए उनकी विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप सीपी चेयर उपलब्ध कराई गई। यह विशेष चेयर बच्चों को बैठने के दौरान आवश्यक सहारा और स्थिरता देने के साथ भोजन, अध्ययन और अन्य दैनिक गतिविधियों को अधिक सहज बनाने में मदद करेगी।

सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों को शरीर की उचित स्थिति बनाए रखने और लंबे समय तक सुरक्षित एवं आरामदायक ढंग से बैठने में कठिनाई हो सकती है। ऐसे में उनकी शारीरिक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की गई सी.पी. चेयर उचित पोस्चर सपोर्ट प्रदान करती है।

फिजिकल रेफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर द्वारा बच्चों की आवश्यकताओं का आकलन कर उनके लिए उपयुक्त मॉडिफाइड सी.पी. चेयर उपलब्ध कराई गई। चेयर बच्चों को सही पोस्चर बनाए रखने, शरीर को आवश्यक स्थिरता देने तथा बैठने से जुड़ी गतिविधियों को अधिक सुविधा के साथ करने में सहयोग करेगी।

मिशन अमृत 2.0 से शहरों में बढ़ेगी हरियाली, बेहतर और सुविधायुक्त होंगे सार्वजनिक स्थल : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

- अहिवारा, मुंगेली और कांकेर में 7.29 करोड़ रुपए की लागत से विकसित होंगे आधुनिक उद्यान
- लगाए जाएंगे 8,732 पौधे, बच्चों के लिए प्ले-एरिया और नागरिकों के लिए ओपन जिम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शहरों को स्वच्छ, सुंदर, हरित और नागरिक सुविधाओं से परिपूर्ण बनाने की दिशा में राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। इसी क्रम में मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत अहिवारा, मुंगेली और कांकेर नगर पालिका क्षेत्रों में आधुनिक उद्यान विकसित किए जाएंगे। तीनों उद्यानों के निर्माण के लिए कुल 7 करोड़ 29 लाख 24 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को बेहतर और सुविधायुक्त जीवन उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। शहरों में ऐसे सार्वजनिक स्थलों का विकास किया जा रहा है, जहां हरियाली और स्वच्छ वातावरण के साथ बच्चों को खेलने, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों को व्यायाम, पैदल भ्रमण और विश्राम की बेहतर सुविधाएं मिल सकें। नए उद्यानों का विकास इसी सोच को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री श्री साय के मार्गदर्शन और उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के निर्देशन में मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत इन उद्यानों का निर्माण एक वर्ष के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। अहिवारा, मुंगेली और कांकेर में विकसित होने वाले इन उद्यानों में कुल 8,732 पौधे लगाए जाएंगे। व्यापक पौधरोपण के साथ ही नागरिकों की अलग-अलग आयु वर्ग की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

उद्यानों में बच्चों के लिए प्ले-एरिया एवं खेल उपकरण, युवाओं और अन्य नागरिकों के लिए ओपन जिम, पैदल भ्रमण के लिए पाथवे, बैठने एवं विश्राम के लिए स्थान, प्रकाश व्यवस्था, टॉयलेट ब्लॉक और गज़ेबो जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन को ध्यान में रखते हुए वर्षा जल संचयन की व्यवस्था भी की जाएगी।

निर्माण के बाद उद्यानों के बेहतर रख-रखाव पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद पांच वर्षों तक इन परिसरों का संचालन एवं संधारण चयनित निर्माण एजेंसी द्वारा किया जाएगा। इससे उद्यानों में विकसित हरियाली, अधोसंरचना और नागरिक सुविधाओं का नियमित रख-रखाव सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि तेजी से विकसित हो रहे शहरों में अधोसंरचना के विस्तार के साथ पर्यावरण और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता का ध्यान रखना भी आवश्यक है। मिशन अमृत 2.0 के माध्यम से विकसित किए जा रहे ये उद्यान केवल हरित क्षेत्र नहीं होंगे, बल्कि बच्चों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपयोगी सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित होंगे।

उन्होंने कहा कि व्यापक पौधरोपण से इन परिसरों का हरित स्वरूप समृद्ध होगा। साथ ही ओपन जिम, पाथवे, खेल एवं विश्राम की सुविधाएं लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए बेहतर वातावरण प्रदान करेंगी। वर्षा जल संचयन जैसी व्यवस्थाएं पर्यावरण संरक्षण के साथ जल संवर्धन के प्रयासों को भी मजबूती देंगी।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार नगरीय क्षेत्रों को स्वच्छ, सुंदर, हरित और सुविधायुक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत इन परियोजनाओं से शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ने के साथ नागरिकों को मनोरंजन, व्यायाम और विश्राम के लिए बेहतर सार्वजनिक स्थल उपलब्ध होंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार का विशेष जोर इस बात पर है कि निर्माण कार्य केवल अधोसंरचना तैयार करने तक सीमित न रहें, बल्कि उनका रख-रखाव भी सुनिश्चित हो। उद्यानों का पांच वर्षों तक एजेंसी द्वारा संचालन एवं संधारण की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना से बुजुर्ग श्रमिक को मिला सम्मानजनक जीवन का सहारा

धमतरी। तहसील बेलरगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत घठुला निवासी शत्रुघन साहू, पिता स्वर्गीय बिदे राम साहू राजमिस्त्री हैं। वे वर्ष 2011 से श्रम विभाग में पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं। उम्र बढ़ने के साथ नियमित मजदूरी करना कठिन होने लगा था। श्रमिक कार्ड के नवीनीकरण के लिए श्रम विभाग कार्यालय पहुंचने पर उन्हें मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके तथा कम से कम 10 वर्षों से मंडल में निर्माण श्रमिक के रूप में पंजीकृत सदस्य रहे पात्र श्रमिकों को योजना के तहत प्रतिमाह 1,500 रुपये पेंशन प्रदान की जाती है। श्री साहू ने आवेदन प्रस्तुत किया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात उन्हें प्रतिमाह 1,500 रुपये पेंशन प्राप्त होने लगी।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

भाई की हत्या के मामले में आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

बीजापुर। थाना आवापल्ली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चाटलापल्ली में हत्या की घटना के मामले में पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सन्नू मड़ावी, पिता स्व. हिड़मा मड़ावी, उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम चाटलापल्ली, थाना आवापल्ली, जिला बीजापुर को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतक के मवेशियों के आरोपी के खेत में घुसने तथा फसल को नुकसान पहुंचाने को लेकर दोनों भाइयों के बीच विवाद हुआ था। घटना के समय पुन: विवाद होने पर आरोपी द्वारा लकड़ी के खूंटे से वार कर विज्जा मड़ावी की हत्या कर दी गई। प्रकरण मे जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी सन्नू मड़ावी को विधिवत गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध थाना आवापल्ली अपराध क्रमांक 15/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

आकाशीय बिजली से बाड़ी में काम कर रहे तीन लोगों की मौत, चार झुलसे

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के महुदा क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। यह हादसा उस समय हुआ, जब कुछ लोग सब्जी बाड़ी में काम कर रहे थे। राज्य में इन दिनों अचानक मौसम बदलने से आंधी, बारिश और कड़क के साथ आकाशीय बिजली का खतरा बढ़ गया है। महुदा क्षेत्र में कुछ लोग रोजाना की तरह सब्जी बाड़ी में काम में जुटे थे। इसी दौरान अचानक मौसम में तेजी से बदलाव आया और आसमान में काले बादल छा गए। बादल छाने के साथ ही गरज-चमक शुरू हो गई। बाड़ी में मौजूद लोग कुछ समझ पाते या बचाव के लिए भाग पाते, उससे पहले ही उन पर आकाशीय बिजली आ गिरी। बिजली की सीधी चपेट में आने से तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं चार अन्य लोग इस हादसे में बुरी तरह झुलस गए।

होटल संचालक से चाकू की नोक पर मांगे 800 रुपये चार गिरफ्तार

राजनांदगांव। लालबहादुर नगर क्षेत्र में होटल संचालक से चाकू दिखाकर 800 रुपये की अवैध वसूली मांगने, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में चिचोला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक धारदार चाकू बरामद किया गया है। घटना में शामिल तीन अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद सभी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

नौकरी लगाने के नाम पर 11 लाख ठगे : बड़े अफसरों से जान-पहचान बताकर ऐंठे पैसे, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नौकरी लगाने का झांसा देकर करीब 11 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में भिलाई नगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान उमेश मानिकपुरी (45) निवासी सूर्यनगर, थाना गुढ़ियारी, रायपुर के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, भिलाई नगर निवासी लहनेदास मासुलकर ने 25 अगस्त 2026 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि उमेश मानिकपुरी ने उसे नौकरी लगाने का भरोसा दिलाया था। इसके एवज में आरोपी ने उससे करीब 11 लाख रुपए लिए। रकम लेने के बाद आरोपी ने नौकरी नहीं लगाई और राशि वापस भी नहीं की। आरोपी वर्तमान में हनुमान चौक, एक्सप्रेस कॉलोनी, डिपरापारा रायपुर में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी को 18 सितंबर को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

शिकायत के आधार पर भिलाई नगर थाने में केस दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों और शिकायत से जुड़े तथ्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ के लिए न्यायालय से एक दिन का पुलिस रिमांड लिया था। रिमांड अवधि में मामले से जुड़े तथ्यों और लेन-देन के संबंध में पूछताछ की गई। पूछताछ पूरी होने के बाद आरोपी को दोबारा न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। मामले की विवेचना के दौरान यह जानकारी भी सामने आई है कि आरोपी ने अन्य लोगों को नौकरी दिलाने का प्रलोभन देकर उनसे भी रकम प्राप्त की थी।

पुलिस इन शिकायतों और आरोपों से जुड़े तथ्यों की अलग-अलग स्तर पर जांच कर रही है। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि आरोपी ने कितने लोगों से नौकरी लगाने के नाम पर रकम ली और उनके साथ किस तरह का लेन-देन हुआ।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी उमेश मानिकपुरी के थाना नेवई क्षेत्र में दर्ज धोखाधड़ी से संबंधित एक अन्य अपराध में संलिप्त होने की जानकारी भी सामने आई है। इस मामले की पृथक विवेचना की जा रही है। फिलहाल भिलाई नगर थाने में दर्ज मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

गणेश उत्सव में रायपुर पुलिस की सख्ती

नॉर्थ जोन में 13 लोगों पर कार्रवाई, धरसींवा में 57 जेल भेजे गए, ड्रोन से भी निगरानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गणेश उत्सव और आगामी त्योहारों को देखते हुए रायपुर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी है। नॉर्थ जोन में असामाजिक तत्वों के खिलाफप्रतिबंधात्मक कार्रवाई के साथ अब ड्रोन से भी संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों की निगरानी की जा रही है।

पंडरी, उरला, गुढ़ियारी और खमतराई थाना क्षेत्रों में 13 लोगों पर कार्रवाई हुई, जबकि धरसींवा में एक सप्ताह में 57 लोगों को प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के तहत जेल भेजा गया। गुढ़ियारी क्षेत्र में ड्रोन को सुरक्षा की 'तीसरी आंख' के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है।

पेट्रोलिंग लगातार कर रही निगरानी

गणेश उत्सव और आगामी त्योहारों के दौरान शांति, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नॉर्थ जोन पुलिस लगातार पेट्रोलिंग और निगरानी कर रही है।

पुलिस उपायुक्त दीपमाला कश्यप के नेतृत्व और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आदित्य पांडे के पर्यवेक्षण में प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थानों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

ड्रोन से आसमान से भी नजर गुढ़ियारी में निगरानी तेज

गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में ड्रोन कैमरे के जरिए हवाई निगरानी की जा रही है। लोगों की आवाजाही, भीड़ की स्थिति और प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को ऊपर से मॉनिटर किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि ड्रोन से मिलने वाली जानकारी के आधार पर किसी भी संभावित स्थिति का समय रहते पता लगाकर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है।

नॉर्थ जोन के 4 थानों में 13 पर कार्रवाई

पंडरी, उरला, गुढ़ियारी और खमतराई थाना क्षेत्रों में कुल 13 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। पंडरी में बीएनएस की धारा 170, 126 और 135(3) के तहत 4 लोगों पर कार्रवाई हुई। उरला में 3, गुढ़ियारी में 3 और खमतराई में 3 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

रायपुर ग्रामीण के धरसींवा थाना क्षेत्र में भी असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान जारी है। 19 सितंबर को थाना प्रभारी राजेंद्र दीवान की टीम ने 20 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की।

यह कार्रवाई एएसपी चंचल तिवारी और सीएसपी विधानसभा वीरेंद्र चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस के मुताबिक, एक सप्ताह में कुल 57 लोगों को प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के तहत जेल भेजा गया है।

पुलिस का कहना है कि त्योहारों के दौरान भीड़ प्रबंधन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पारंपरिक पेट्रोलिंग के साथ आधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। ड्रोन निगरानी और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

गणेश उत्सव के दौरान राजनांदगांव पुलिस का एक्शन, 7 दिन में 127 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। गणेश उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजनांदगांव पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश पर पिछले 7 दिनों में 127 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पुलिस ने गुंडा-बदमाशों, निगरानी बदमाशों और शरारती तत्वों पर नजर रखते हुए अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के तहत धारा 170 बीएनएस में 98 लोगों पर कार्रवाई की गई। वहीं, अवैध हथियार रखने के मामले में आर्म्स एक्ट के तहत 26 आरोपियों को पकड़ा गया। इसके अलावा अवैध शराब बेचने के आरोप में आबकारी एक्ट के तहत 5 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत 1 आरोपी को पकड़ा गया।

पुलिस जेल से रिहा होकर आए पुराने बदमाशों और निगरानी बदमाशों पर भी नजर रख रही है। सभी थाना और चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि रिहाई के बाद कोई व्यक्ति फिर संदिग्ध या आपराधिक गतिविधियों में शामिल मिलता है तो उसके खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाए।

पुलिस ने लोगों से गणेश उत्सव का पर्व बिना डर और उत्साह के साथ मनाने की अपील की है। पुलिस के मुताबिक कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बिलासपुर में दो रिटायर्ड कर्मचारी से 6.50 लाख की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में साइबर ठगी के दो मामले सामने आए हैं। ठगों ने दो रिटायर्ड कर्मचारियों को अपना शिकार बनाया। एक मामले में रिटायर्ड रेलकर्मी से बैंक खाते की जानकारी लेकर 2.83 लाख रुपए ट्रांसफर कर लिए गए। वहीं, दूसरे रिटायर्ड कर्मचारी से पेंशन कार्ड बनवाने के नाम पर 3 लाख 56 हजार रुपए की ठगी की गई।

दोनों मामलों में पीड़ितों ने पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ये मामले तोरवा और सकरी थाना क्षेत्र के हैं।

शांति विहार के जी. भीमाराव (60) रेलवे के रिटायर्ड सीनियर टेक्नीशियन हैं। 11 सितंबर को उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को बैंक का कर्मचारी बताया और खाते से जुड़ी जरूरी प्रक्रिया पूरी करने की बात कही।

भीमाराव उसकी बातों में आ गए। कॉलर जैसा बताता गया, वे मोबाइल पर बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी दर्ज करते गए। डिटेल्स भरते ही ठग ने उनके खाते से पैसे ट्रांसफर करना शुरू कर दिया। ठगों ने एक के बाद एक 34 ट्रांजेक्शन कर उनके खाते से कुल 2 लाख 83 हजार रुपए निकाल लिए। मोबाइल पर लगातार ट्रांजेक्शन के मैसेज आने के बाद उन्हें ठगी का पता चला।

ठगी का पता चलते ही जी. भीमाराव ने बैंक से स्टेटमेंट निकलवाया और तोरवा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस से ठगी की रकम को जिन खातों में भेजा गया है, उन्हें तुरंत होल्ड या फ्रीज कराने की मांग की है।

पुलिस साइबर सेल की मदद से ठग के मोबाइल नंबर और जिन बैंक खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, उनकी जांच कर रही है। पुलिस ट्रांजेक्शन के जरिए ठगों तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है। सकरी क्षेत्र के मोहित गोड ने पुलिस को बताया कि 9 सितंबर को फेसबुक पर उन्हें ऑनलाइन रिटायर्ड पेंशन कार्ड बनवाने का एक लिंक मिला। उन्होंने लिंक पर क्लिक किया और खाते व मोबाइल नंबर से जुड़ी जानकारी भर दी।

शराब तस्करी में पकड़ा गया सहायक शिक्षक निलंबित, रायपुर में शराब के साथ 7 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में शराब तस्करी के मामले में पकड़े गए सहायक शिक्षक को जिला शिक्षा अधिकारी ने निलंबित कर दिया है। शिक्षक तिरीत राम बांधे शासकीय प्राथमिक शाला अमोदी में पदस्थ है और संकुल समन्वयक प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभाल रहा था।

पुलिस ने तिरीत राम को शराब अवैध रूप से बेचने के लिए ले जाते हुए 6 अन्य लोगों के साथ पकड़ा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने शिक्षक के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की है। मामला 14 सितंबर का है। ग्रामीण एसपी के निर्देश पर आरंग थाना पुलिस की टीम इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद रंग की अर्टिगा कार में ग्राम गुल्लू की शराब दुकान से बड़ी मात्रा में शराब भरकर रानीसागर की ओर ले जाई जा रही है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने रानीसागर के हनुमान मंदिर के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद संदिग्ध कार वहां पहुंची, जिसे पुलिस ने रोककर तलाशी ली। कार में ड्राइवर समेत 6 लोग सवार थे। तलाशी में कार से 160 पाव देशी मसाला शराब मिली। पुलिस के मुताबिक शराब की कीमत करीब 16 हजार रुपए है। पूछताछ में आरोपियों ने शराब को अवैध बिक्री के लिए ले जाने की बात स्वीकार की।

पुलिस ने शराब के साथ परिवहन में इस्तेमाल की जा रही अर्टिगा कार भी जब्त की है। इसकी कीमत करीब 8 लाख रुपए बताई गई है। शराब और वाहन समेत जब्त सामान की कुल कीमत करीब 8.16 लाख रुपए है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस की कार्रवाई में सहायक शिक्षक तिरीत राम बांधे का नाम सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया। विभाग के मुताबिक शिक्षक का शराब तस्करी के मामले में पकड़ा जाना शासकीय कर्मचारी के आचरण से जुड़ा गंभीर मामला है।

इसी आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी ने उन्हें निलंबित कर दिया। निलंबन के दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी और विभागीय जांच की प्रक्रिया भी आगे बढ़ सकती है।

संवेदनशील इलाके में शांति भंग करने पर पुलिस का एक्शन, अड्डेबाजी और नशाखोरी करने वाले 9 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर के चकरभाठा क्षेत्र में अशांति फैलाने, अड्डेबाजी और नशाखोरी करने वाले 9 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन सभी आरोपियों को रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

दरअसल, बोदरी, परसदा, रायपुर हाइवे, हाईकोर्ट, हाईकोर्ट जजेस बंगले से लेकर एयरपोर्ट तक का पूरा इलाका हाईप्रोफाइल लोगों की आवाजाही के कारण संवेदनशील माना जाता है। इसी वजह से पुलिस यहां शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है।

चकरभाठा पुलिस ने इन 9 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इनमें जीत वर्मा (28) वार्ड नं. 1 बोदरी, पप्पू उर्फ गुलशन पांडेय (24) वार्ड नं. 11 विकास नगर चकरभाठा, समीर दास मानिकपुरी (20) वार्ड नं. 01 बोदरी, प्रियांशु वर्मा (21) वार्ड नं. 02 शासकीय स्कूल के पास बोदरी, हर्षवर्धन उर्फ मोन्टू वर्मा (18) वार्ड नं. 02 बोदरी, आयुष्मान वर्मा (21) वार्ड नं. 02 बोदरी, रमेश उर्फ पाण्डो मेरसा (22) ग्राम सेवांर, करन सोनवानी (23) सेंवार और शत्रुहन निषाद (34) रामनगर हिर्री माईन्स शामिल हैं।

चकरभाठा थाना पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि या अपराध की जानकारी तुरंत डायल 112 या थाना चकरभाठा को दें।

उधारी के 30 लाख नहीं दिए तो कर दी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में एक टीचर ने ट्रेडिंग करने वाले अपने दोस्त की हत्या कर दी। चंद्रप्रकाश वर्मा ने अपने साथी शिवकुमार चंद्राकर को 30 लाख उधार दिए थे। इसके बदले वह ब्याज लेता था। पिछले तीन महीने से उसे ब्याज नहीं मिला था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था।

पेशे से दोनों टीचर थे और एक ही स्कूल में पढ़ाते थे। 17 सितंबर को आरोपी प्लानिंग के तहत उसे अपने साथ स्कूटी पर बैठाकर सुनसान जंगल ले गया। वहां उसने हथौड़े से शिवकुमार का सिर फोड़ा और धारदार हथियार से चेहरे पर वार कर मार डाला। मामला आरंग थाना क्षेत्र के महानदी तट के बनचरौदा के पास का है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

17 सितंबर 2026 को आरंग पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम बनचरौदा के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा है। उसके सिर और चेहरे पर धारदार और कठोर वस्तु से गंभीर चोट के निशान थे। पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान शिवकुमार चंद्राकर (46) के रूप में की। वह ग्राम रामपुर डंगनिया, थाना गोबरा नवापारा का रहने वाला था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीनियर अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वॉड और साइबर टीम की मदद से घटनास्थल की जांच की गई। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया गया।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि शिवकुमार चंद्राकर और चंद्रप्रकाश वर्मा दोनों ग्राम कुम्हारी के स्कूल में टीचर हैं। ग्रामीणों और गांव के चरवाहे ने पुलिस को बताया कि शिवकुमार को आखिरी बार चंद्रप्रकाश के साथ सफेद रंग की स्कूटी पर बनचरौदा की ओर जाते देखा गया था।

इसके बाद पुलिस ने स्कूल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। साथ ही शिक्षा विभाग के VSK ऐप की लॉग रिपोर्ट की जांच की गई। इसी जांच से पुलिस को आरोपी की गतिविधियों को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

पुलिस के मुताबिक 17 सितंबर की सुबह करीब साढ़े 9 बजे चंद्रप्रकाश स्कूल पहुंचा था। इसके बाद उसने अपने मोबाइल की लोकेशन बंद कर दी और निजी काम का बहाना बनाकर स्कूल से बाहर निकल गया।

पुलिस का कहना है कि घटना को अंजाम देने के बाद वह करीब 1 बजे वापस स्कूल पहुंचा। उसने अपने मोबाइल से VSK ऐप पर लॉगिन नहीं किया। उसने कहा कि मोबाइल घर पर रह गया है और फिर दूसरे शिक्षक के मोबाइल से अपनी उपस्थिति दर्ज की।

पुलिस ने VSK ऐप की लॉग रिपोर्ट और सीसीटीवी फुटेज को आपस में मिलाकर जांच की। इससे आरोपी की गतिविधियों को लेकर पुलिस का शक और मजबूत हुआ। 18 सितंबर को पुलिस ने चंद्रप्रकाश वर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में उसने हत्या की बात कबूल कर ली। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह और शिवकुमार पिछले करीब 4 साल से एक-दूसरे को जानते थे। दोनों साथ में रेत, रियल एस्टेट और बुलियन मार्केट में ट्रेडिंग करते थे।

आरोपी के अनुसार उसने इन कामों के लिए शिवकुमार को करीब 30 लाख रुपए उधार दिए थे। इसके बदले शिवकुमार ने उसे छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के तीन ब्लैंक चेक दिए थे।

आरोपी का कहना है कि वह हर महीने इस रकम पर ब्याज लेता था। पिछले तीन महीने से उसे ब्याज नहीं मिला था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। आरंग पुलिस ने चंद्रप्रकाश वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले में VSK ऐप की लॉग रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जांच और आरोपी से पूछताछ से महत्वपूर्ण सुराग मिले। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

आईटीआई में छात्रों को शिक्षक ने दौड़ा कर पीटा, केस दर्ज

बालोद। शासकीय आईटीआई राजहरा में छात्रों से मारपीट का मामला सामने आया है। छात्रों ने शिक्षक फनील साहू पर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है। जानकारी के मुताबिक, 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा के दौरान आईटीआई में छात्र-छात्राएं और शिक्षक भोजन बना रहे थे। इसी दौरान वेल्डर प्रथम वर्ष के छात्र गजेंद्र साहू के साथ विवाद हुआ। आरोप है कि शिक्षक ने उसे लोहे के बेलचे से पीटा, जिससे उसके बाएं हाथ की कलाई के पास चोट आई। गजेंद्र के बचाव में आए नमन खोबरागड़े, सूरज रंगारी, देवेंद्र निषाद और युवराज साहू के साथ भी मारपीट का आरोप है। पुलिस ने शिक्षक के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 351(3) और 115(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापना की प्रक्रिया है बेहद आसान

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सिंगल विंडो 2.0
सरल, तेज और पारदर्शी

उद्योग स्थापना से जुड़ी
150+ सेवाएं
और सभी आवश्यक
अप्रूवल

सिर्फ एक क्लिक पर...

अधिक जानकारी
के लिए
क्यूआर कोड
स्कैन करें

सिंगल विंडो 2.0 के फायदे

- समयबद्ध निपटान
- पूरी प्रक्रिया डिजिटल
- रियल टाइम ट्रैकिंग और अपडेट
- एक ही प्लेटफॉर्म पर सभी सेवाएं

- उद्योगों के लिए अनेक सरकारी प्रोत्साहन
- कम समय कम प्रयास
- सुरक्षित और विश्वसनीय
- सरकार आपके साथ हर कदम पर

RO : 48382/6

नया छत्तीसगढ़, नए अवसर, नई उड़ान

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950